संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
7 नवंबर, 2026
वर्ष:25 अंक: 135
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com



धनतेरस पर हरियाणा के लाखों लाभार्थियों को सौगात, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक क्लिक से लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की 4,470 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि

पेज-4

मोटी-मोटी बातें

शीतकाल के लिए बंद हुए तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट, भक्तों ने लगाए जयकारे

देहरादून। उत्तराखंड के विश्वप्रसिद्ध तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ धाम के कपाट शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। इसी के साथ वर्ष 2026 की तुंगनाथ धाम की ग्रीष्मकालीन यात्रा का समापन हो गया है। कपाट बंद होने के बाद बाबा की चल विग्रह उत्सव डोली शीतकालीन गद्दीस्थल मक्कूमठ के लिए रवाना हो गई है। अब अगले छह महीने तक मक्कूमठ में ही बाबा तुंगनाथ की पूजा-अर्चना संपन्न होगी। समुद्रतल से करीब 3,680 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तृतीय केदार तुंगनाथ धाम में कपाट बंद होने के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिला। मंदिर परिसर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के बीच विधि-विधान से मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए गए। इस दौरान पुजारी वेदपाठी अभिषेक मैठाणी ने धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया।

कपाट बंद होने के बाद भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली ने शीतकालीन गद्दीस्थल मक्कूमठ के लिए प्रस्थान किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डोली का पहला रात्रि प्रवास चोपता में होगा। 7 नवंबर को डोली भनकुण्ड पहुंचेगी, जबकि 8 नवंबर को मक्कूमठ स्थित श्री मर्कटेश्वर मंदिर में विराजमान होगी। इसके बाद शीतकाल में बाबा की पूजा-अर्चना यहीं संपन्न होगी।

फ्यूचर रिटेल पर सीबीआई का शिकंजा, 904.32 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में किशोर बियानी समेत कई पर केस

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई स्थित कंपनी मैसर्स फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के खिलाफ 904.32 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। इस मामले में कंपनी के प्रमोटरों और निदेशकों से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान भी चलाया गया। सीबीआई ने यह कार्रवाई एसबीआई, स्ट्रेस्ड एसेट्स मैनेजमेंट ब्रांच-3, मुंबई की शिकायत पर की है। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने मैसर्स फ्यूचर रिटेल लिमिटेड और इसके प्रमोटरों, प्रबंध निदेशकों, कार्यकारी निदेशकों और गारंटरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों में कंपनी के प्रमोटर किशोर बियानी और राकेश बियानी के नाम शामिल हैं। इसके अलावा कुछ अज्ञात लोक सेवकों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया गया है। इन पर धोखाधड़ी के लिए आपराधिक साजिश रचने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध करने का आरोप है। इस वजह से शिकायतकर्ता बैंक को कथित तौर पर 904.32 करोड़ रुपए का गलत नुकसान हुआ है।

आरोप है कि आरोपियों ने एक आपराधिक साजिश रची और शिकायतकर्ता बैंक और 9 बैंकों के एक समूह (कंसोर्टियम) से क्रेडिट सुविधाएं हासिल कीं। इन सुविधाओं में वर्किंग कैपिटल, टर्म लोन और लेटर ऑफ क्रेडिट शामिल थे। कंपनी बिग बाजार, फैशन बिग बाजार, फूडहॉल आदि जैसे हाइपर मार्केट और सुपरमार्केट के जरिए कई रिटेल फॉर्मेट में काम करती थी।

धनतेरस पर सोने और चांदी हुए सस्ते- कीमतें करीब 4,500 रुपए तक घटीं

मुंबई। धनतेरस के मौके पर सोने और चांदी की कीमतों शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली है। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 4,500 रुपए तक घट गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की ओर से जारी कीमतों को मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 2,677 रुपए कम होकर 1,41,452 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,44,129 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने का दाम घटकर 1,29,507 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,32,022 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 18 कैरेट सोने की कीमत 1,08,097 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,06,089 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

वायदा के साथ हाजिर बाजार में भी सोने और चांदी में गिरावट देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.30 प्रतिशत घटकर 1,42,218 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,85,181 रुपए प्रति किलो पर था।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोने का दाम 0.94 प्रतिशत कम होकर 4,075 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 0.58 प्रतिशत घटकर 52.07 डॉलर प्रति औंस था।

पूरी कहानी झूठी है... तरुण तेजपाल को SC से झटका, 10 साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने 2013 के एक दुष्कर्म मामले में पत्रकार तरुण तेजपाल को सुनाई गई 10 साल की सजा निलंबित करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्न बी. वराले की पीठ ने कहा कि वह सजा को निलंबित करने के पक्ष में नहीं है।

तेजपाल की सजा निलंबित करने के अनुरोध वाली याचिका पर



सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, ''हमें इस मामले में सजा पर रोक लगाने का कोई उचित आधार नजर नहीं आता।'' तेजपाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मामले में साक्ष्यों और अन्य सामग्रियों का हवाला देते हुए दलील दी कि ''पूरी कहानी झूठी है।''

गोवा सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तेजपाल की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि यह मामला सजा बढ़ाने का है। मुंबई हाई कोर्ट ने छह अगस्त को अधीनस्थ अदालत के उस फैसले को पलट दिया था, जिसमें 'तहलका' पत्रिका के पूर्व संपादक तेजपाल को पांच साल पहले बरी कर दिया गया था। हाई कोर्ट तेजपाल को दुष्कर्म का दोषी ठहराते हुए 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। तेजपाल को 2013 में गोवा में पत्रिका की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एक होटल की लिफ्ट में अपनी एक कनिष्ठ सहयोगी से दुष्कर्म का दोषी ठहराया गया था। पत्रकार ने दावा किया है कि वह राजनीतिक दुर्भावना के शिकार हुए हैं।

अमृतसर से बंगाल जा रही चलती ट्रेन में लगी आग, मची अफरा-तफरी; जान बचाने के लिए नीचे उतरे यात्री

फिरोजपुर : पंजाब के पटियाला जिले में राजपुरा के पास शुक्रवार को कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन के चार जनरल कोच में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही ट्रेन में अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। इससे सैकड़ों यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों ने जान बचाने के लिए कोच से बाहर निकलना शुरू कर दिया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हादसे में अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है।

रेलवे के मुताबिक, ट्रेन संख्या 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस में आग लगने की सूचना मिली थी। ट्रेन दोपहर 12:58 बजे फतेहगढ़ साहिब जिले के साधुगढ़ रेलवे स्टेशन से रवाना हुई थी। इसी दौरान ट्रेन के चार जनरल कोच में आग लग गई। आग पांचवें कोच तक फैल गई, जिसका नंबर 265287GS बताया गया है। यह इंजन से पांचवां कोच है।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी, स्थानीय पुलिस और दमकल



विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। वहीं, राहत एवं बचाव दल ने प्रभावित कोच और आसपास के डिब्बों से यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

रेलवे ने यात्रियों की चिकित्सा सहायता के लिए अंबाला से दोपहर 1:20 बजे मेडिकल राहत ट्रेन और एआरएमई (एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट) रवाना किया।

डीआरएम भी पहुंचे घटनास्थल

अंबाला रेलवे मंडल के डीआरएम विनोद कुमार भाटिया भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फिलहाल घटना में किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। रेलवे अधिकारियों की टीम घटना की जांच कर रही है।

दिल्ली में Kia के शोरूम में भीषण आग, कई गाड़ियां जलकर खाक; 7 लोग घायल

नई दिल्ली: दक्षिण दिल्ली के सैदुलाजाब इलाके में शुक्रवार को किया कार के एक शोरूम में भीषण आग लग गई, जिससे कई वाहन जलकर खाक हो गए। इस घटना में सात लोग घायल हो गए, जबकि करीब 12 से 15 लोगों को बचाया गया। उप जिलाधिकारी लक्ष्य सिंघल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और इमारत के अंदर खोजबीन अभियान चलाया जा रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वहां कोई और व्यक्ति फंसा है या हताहत हुआ है।



सिंघल ने कहा कि दोपहर करीब तीन बजकर 45 मिनट पर हमें सूचना मिली कि मेट्रो स्टेशन के सामने स्थित किया के शोरूम में आग लग गई है। इसके तुरंत बाद अग्निशमन विभाग, पुलिस और अन्य एजेंसियों को मौके पर भेजा गया। उप जिलाधिकारी (एसडीएम) और थाना प्रभारी (एसएचओ) भी घटनास्थल पर पहुंचे। इस घटना में सात लोग घायल हुए, जिनमें से चार को मैक्स अस्पताल और तीन को मदन मोहन मालवीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सिंघल ने बताया कि इमारत से करीब 12 से 15 लोगों को बचाया गया। ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों को निकालने के लिए आसपास की इमारतों के सहारे सीढ़ियां लगाई गईं। स्थानीय निवासियों ने भी बचाव अभियान में मदद की। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी की मौत की खबर नहीं है। किसी के हताहत होने की आशंका को खारिज करने के लिए इमारत की तलाशी ली जा रही है। इस अभियान में अग्निशमन विभाग, पुलिस, राजस्व विभाग, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), एम्बुलेंस सेवाओं और केंद्रीय दुर्घटना एवं आघात सेवा (कैट्स) की टीमें शामिल थीं।

पंजाब द्वारा एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से हॉकी के वैश्विक मानचित्र पर स्वर्णिम हस्ताक्षर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/मोहाली- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पंजाब को विश्व हॉकी के मानचित्र पर स्थापित करने का देखा गया सपना साकार होने से भारतीय हॉकी के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है।



पूर्व भारतीय विश्व कप विजेताओं, ओलंपियनों और विदेशी हॉकी सितारों की मौजूदगी में 'हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब-2026' की मेजबानी और भारत की शानदार जीत के साथ यह टूर्नामेंट पंजाब के खेल इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। भारत ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में जापान को 4-1 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। इस दौरान पंजाब के दो ऐतिहासिक स्टेडियमों- मोहाली स्थित 'ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम' और जालंधर स्थित 'ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम' में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

भारत पूरे टूर्नामेंट के दौरान अपराजित रहा। टीम ने अपने सभी 7 मैच जीते, जिनमें जालंधर में खेले गए 5 लीग मैच तथा मोहाली में हुए सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले शामिल हैं। इस जीत के साथ भारत ने रिकॉर्ड बनाते हुए छठी बार खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही 2023 और 2024 की जीत के बाद भारत ने लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर अपनी 'हैट्रिक' भी पूरी की।

एक यादगार फाइनल: जापान ने मैच के तीसरे मिनट में काजुमासा मात्सुमोतो के गोल की बदौलत हाफ टाइम तक भारत पर 1-0 की बढ़त बनाए रखी। लेकिन चैंपियन टीम ने चैंपियन की तरह ही जवाब दिया। 42वें मिनट में शिलानंद लाकड़ा ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। 47वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने एक और गोल करके टीम को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद 52वें मिनट में जुगराज सिंह ने स्कोर 3-1 कर दिया और 53वें मिनट में विवेक सागर प्रसाद ने गोल करके 4-1 से भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। अंतिम 18 मिनट में किए गए चार गोलों ने मैच का रुख ही बदल दिया। मलेशिया ने दक्षिण कोरिया को 5-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

हरमनप्रीत सिंह- टूर्नामेंट के हीरो और सर्वश्रेष्ठ स्कोरर

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस टूर्नामेंट के स्टार खिलाड़ी रहे। उन्हें टूर्नामेंट का 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुना गया।

बीबीएमबी एरियर के मामले में हिमाचल प्रदेश को मिली ऐतिहासिक जीत: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से संबंधित एरियर एवं प्रदेश के वित्तीय अधिकारों के मामले में हिमाचल प्रदेश को सर्वोच्च न्यायालय से मिली ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश की जनता की जीत करार दिया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश को अगले 20 वर्षों तक हर साल 60 करोड़ यूनिट बिजली प्राप्त होगी, जिससे प्रदेश को इस अवधि के दौरान लगभग 10 हजार करोड़ रुपये से 20 हजार करोड़ रुपये की आय का अनुमान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, ईमानदार प्रयासों और निरंतर कानूनी पैरवी के परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश को उसके जायज़ हक दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले से प्रदेश को प्रतिवर्ष लगभग 1,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त होने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि यदि बिजली की दर 13 से 14 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित होती है तो प्रदेश को इसका और अधिक लाभ मिलेगा। वहीं, यदि यह दर छः रुपये प्रति यूनिट भी रहती है, तब भी राज्य सरकार को प्रतिवर्ष कम से कम 500 करोड़ रुपये की आय सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि यह राशि प्रदेश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और विकासात्मक गतिविधियों को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सुक्खू ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के हितों से जुड़े मामलों में यह चौथी बड़ी सफलता है। इससे पहले राज्य सरकार ने वाइल्डफ्लावर हॉल, जेएसडब्ल्यू और किशाऊ बांध से जुड़े मामलों में प्रदेश के हितों की मज़बूती से पैरवी करते हुए सफलता हासिल की है। अब बीबीएमबी के एरियर से जुड़े मामले में मिली उपलब्धि ने यह साबित किया है कि सरकार की साफ नीयत और प्रदेश के हितों के प्रति प्रतिबद्धता बड़े से बड़े मामलों में भी जीत हासिल करवा सकती है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के अधिकारों की लड़ाई आगे भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहेगी। शानन पावर प्रोजेक्ट और वाटर सेस जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी राज्य सरकार प्रभावी ढंग से अपना पक्ष रख रही है और हिमाचल प्रदेश को उसका जायज हक दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

योगी सरकार अब आपदा में जान गंवाने वालों के परिवार को देगी आठ लाख की आर्थिक मदद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता के मानकों में बदलाव करते हुए मुआवजे की राशि में बढ़ोतरी की है। अब प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिवार को चार लाख रुपये के स्थान पर आठ लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही फसल नुकसान, पशुधन की क्षति और मकान के नुकसान पर मिलने वाली सहायता राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। नए मानक वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेंगे। योगी सरकार का उद्देश्य आपदा प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक संबल देने के साथ उनकी आजीविका को दोबारा पटरी पर लाना है। राहत आयुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को मिलने वाली सहायता राशि को दोगुना कर दिया गया है। पहले चार लाख रुपए की सहायता दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब आठ लाख रुपये कर दिया गया है। इसी तरह प्राकृतिक आपदा में गाय, भैंस, घोड़े या ऊंट जैसे बड़े पशुओं की मृत्यु होने पर मिलने वाली सहायता राशि 40 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी गई है। बकरी, भेड़ और सूअर जैसे छोटे पशुओं के लिए यह राशि चार हजार से बढ़ाकर 5,500 रुपए कर दी गई है। वहीं, मुर्गीपालकों को भी राहत देते हुए प्रति मुर्गी सहायता राशि 100 से बढ़ाकर 130 रुपये कर दी गई है।



मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ग्रामीण चौकीदारों को दिया दिवाली का तोहफा, मासिक मानदेय बढ़ाकर किया 15,221 रुपये

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने धनतेरस और दीपावली के अवसर पर प्रदेश के ग्रामीण चौकीदारों को तोहफा देते हुए उनके मासिक मानदेय को 11 हजार से बढ़ाकर 15 हजार 221 रुपये करने की घोषणा की। इससे प्रत्येक चौकीदार को हर महीने 4 हजार 221 रुपये अधिक मिलेंगे जिससे प्रतिवर्ष उसे 50 हजार रुपये से भी अधिक का फायदा होगा। वर्ष 2014 में ग्रामीण चौकीदारों का मानदेय केवल 3,500 रुपये मासिक था जो आज बढ़कर 4 गुणा से भी अधिक हो गया है।



मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला में राज्यस्तरीय ग्रामीण चौकीदार सम्मान समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यौरा के अध्यक्ष श्री मोहन लाल बडौली, विकास एवं पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल, विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक श्री सुशील सारवान और अतिरिक्त निदेशक पंचायत श्री आशुतोष राजन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को धनतेरस और दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीण चौकीदारों के लिए कई और बडी घोषणाएं की जिसमें वार्षिक वर्दी भत्ता 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये, लाठी, बैटरी, सीटी और छाते का वार्षिक भत्ता 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये, साइकिल भत्ता 3 हजार 500 रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण चौकीदारों के हित में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए घोषणा की कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार अब जल-कर्मियों और सफाई-कर्मियों की तर्ज पर ग्रामीण चौकीदारों को ईएसआई यानी कर्मचारी राज्य बीमा का लाभ मिलेगा। इससे बीमारी के समय उन्हें और उनके परिवारों को इलाज की सुविधा मिलेगी। दुर्घटना या दिव्यांगता की स्थिति में भी सहारा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, अब हर चौकीदार हरियाणा श्रम कल्याण कोष के दायरे में भी आएगा। इससे वह बेटे या बेटी की पढ़ाई अथवा शादी या परिवार की मदद की जरूरत में सरकार की योजनाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सभी लाभ आज से ही लागू होंगे। उन्होंने कहा कि इन फैसलों से राज्य सरकार पर हर साल लगभग 27 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा लेकिन गांवों की सुरक्षा करने वालों पर किया गया यह खर्च सही मायने में प्रदेश के गांवों और हर घर की सुरक्षा में किया गया निवेश है।

दीपावली के उपलक्ष्य पर मुख्यमंत्री सुक्खू की ओर से श्रमिकों को बड़ी सौगात

हिन्द जनपथ

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के दिशा-निर्देश पर श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दीपावली के उपलक्ष्य पर हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा प्रदेश के 11 जिलों के 1,444 लाभार्थियों को लगभग 6 करोड़ 11 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। आज मुख्यमंत्री आवास ओक ओवर, शिमला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्योग एवं श्रम मंत्री हर्षवर्धन चौहान तथा मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी एवं देहरा की विधायक कमलेश ठाकुर की उपस्थिति में लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए।

उद्योग एवं श्रम मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर ने कहा कि बोर्ड पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रहा है।



विवाह सहायता योजना के अंतर्गत 1,70,87,000 रुपये, शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 3,14,67,700 रुपये, चिकित्सा सहायता योजना के अंतर्गत 54,610 रुपये तथा मृत्यु एवं अंतिम संस्कार सहायता योजना के अंतर्गत 32,80,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त अन्य योजनाओं के तहत 5,10,000 रुपये की सहायता भी दी गई। इन योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत सहायता राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी गई। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गृह निर्माण के लिए 67 पात्र श्रमिकों को कुल 86,58,000 रुपये की सहायता के चेक वितरित किए गए। जिला हमीरपुर में 148 लाभार्थियों को 64,94,610 रुपये, चंबा में 50 लाभार्थियों को 14,12,600 रुपये तथा सिरमौर में 29 लाभार्थियों को 15,38,200 रुपये की सहायता प्रदान की गई। जिला मंडी में सर्वाधिक 440 लाभार्थियों को 1,61,18,200 रुपये, किन्नौर में 168 लाभार्थियों को 64,92,200 रुपये तथा कांगड़ा में 63 लाभार्थियों को 31,00,200 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई।

अंडर-19 एशिया कप - सहवाग और रायचंदानी ने जड़े नाबाद अर्धशतक, भारत ने नेपाल को 10 विकेट से रौंदा

मस्कट। मेंस अंडर-19 एशिया कप 2026 में शुक्रवार को सलामी जोड़ी के रूप में आर्यवीर सहवाग और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने नाबाद अर्धशतक जड़े, जिसके दम पर भारत ने नेपाल को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। शुक्रवार को अल अमरात क्रिकेट ग्राउंड में 129 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए, आर्यवीर और रायचंदानी ने भारत को सिर्फ 19.1 ओवर में ही जीत दिला दी। इससे पहले, तेज गेंदबाज ईशान सूद ने तीन विकेट चटकाए, जिसकी बदौलत नेपाल की पूरी टीम 42.3 ओवर में 128 रनों पर सिमट गई। पिच पर घास की हल्की परत थी, जिस पर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लेते हुए सूद ने अपने शुरुआती 6 ओवरों के स्पेल में गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराया और कई बार बल्लेबाजों को छकाया। सूद ने तीन विकेट लिए, जिससे नेपाल के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। सूद ने लगातार 10 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 4 मेडन ओवर शामिल रहे और उन्होंने 18 रन देकर 3 विकेट लिए।

शुरुआती झटकों के बाद दर्श सोनार (93 गेंदों में 43 रन) ने पारी को संभाला। उन्होंने नीरज यादव के साथ 24 और आशीष के साथ 43 रनों की साझेदारी करते हुए नेपाल को 100 रनों के पार पहुंचाया। आशीष और दर्श की साझेदारी टूटने के बाद नेपाल का निचला क्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया। बाएं हाथ के स्पिनर अर्जुन राजपूत ने 3 विकेट लिए, जबकि यशवीर गौड़ ने 2 विकेट चटकाए, जिससे नेपाल की टीम 128 रनों पर ऑल आउट हो गई।

न्यूज डायरी

30 साल की लंबी लड़ाई की जीत का श्रेय लेने की राजनीति कर रहे हैं सुक्खू : जयराम ठाकुर



हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने बीबीएमबी में तीन दशक से चल रही लड़ाई में हिमाचल प्रदेश को मिली जीत पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीस वर्षों में प्रदेश की सभी सरकारों ने मजबूती के साथ हिमाचल का पक्ष रखा और इस लड़ाई को लड़ा है। वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल के पक्ष में फैसला दिया था। इसके बाद संबंधित राज्य इस मामले में सहमति नहीं जता रहे थे और तत्कालीन सरकारें ऐसा कोई फार्मूला नहीं सुझा सकीं, जिससे इस विवाद का समाधान निकल सके। 30 जुलाई 2026 को केंद्र सरकार ने कैशलेस सेटलमेंट का फार्मूला दिया और संबंधित राज्यों के साथ सहमति बनाने का प्रयास किया। इसी के बाद हिमाचल के हित में यह फैसला आया है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कैशलेस सेटलमेंट का फार्मूला सुझाने से लेकर हर स्तर पर केंद्र सरकार ने हिमाचल के हितों का पूरा ख्याल रखा। देश में लंबे समय से चले आ रहे कई अंतरराज्यीय जल विवादों का जिस रणनीतिक कौशल और सूझबूझ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाधान किया है, वह ऐतिहासिक है। बीबीएमबी में हिमाचल प्रदेश के हितों को लेकर लंबे समय से लड़ाई चल रही थी, जिसका सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के साथ पटाक्षेप हो गया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को बीबीएमबी में बकाया धनराशि देने के लिए संबंधित राज्य 30 साल का समय मांग रहे थे, जबकि केंद्र सरकार लगातार इसके समाधान के लिए प्रयास कर रही थी। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप माननीय सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल की पूरी देनदारी चुकाने के लिए 20 साल की समयसीमा निर्धारित की है।

दीपावली पर एचआरटीसी कर्मचारियों को 5 प्रतिशत महंगाई भत्ते का तोहफा



हिन्द जनपथ
शिमलाः दीपावली के पावन अवसर पर हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के कर्मचारियों को 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) जारी करने के आदेश दिए गए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की घोषणा के बाद निगम के कर्मचारियों को भी यह लाभ देने का निर्णय लिया गया है। इससे निगम के लगभग 12 हजार कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल पथ परिवहन निगम के कर्मचारियों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है। एचआरटीसी के कर्मचारी प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों सहित हर हिस्से में परिवहन सेवाएं उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दो दिन पहले ही एचआरटीसी के पेंशनरों को भी 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी करने के आदेश दिए गए हैं। सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों का ध्यान रखते हुए उनके कल्याण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

मुकेश अग्निहोत्री ने एचआरटीसी के सभी कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके परिवारों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 17 नवम्बर को

सोलन - जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी, सोलन भूपेन्द्र वर्मा ने कहा कि 17 नवम्बर, 2026 को जिला स्तरीय युवा उत्सव (विकसित भारत युवा नेता संवाद) सांस्कृतिक ट्रैक का आयोजन चिल्ड्रन पार्क स्थित युवा सेवा एवं खेल विभाग के खेल सभागार में किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं में समूह लोक गीत, समूह लोक नृत्य, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला व कविता लेखन स्पधाओं का आयोजन किया जाएगा तथा थीम 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा' रहेगा। समूह लोक गीत, लोक नृत्य एवं नुक्कड नाटक प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या सहयोगी प्रतिभागियों सहित 10-10 होगी तथा एक प्रतिभागी केवल एक ही स्पर्धा में भाग ले सकता है। भूपेन्द्र वर्मा ने कहा कि इन प्रतियोगिता में सोलन जिला के 15 से 29 आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते है तथा सहयोगी प्रतिभागियों के लिए आयु सीमा 18-40 रखी गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक प्रतिभागियों को 17 नवम्बर, 2026 तक अपने आयु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रतियों सहित चिल्ड्रन पार्क स्थित खेल सभागार में प्रातः 09:30 बजे पहुंचना होगा। खेल अधिकारी ने कहा कि इन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा तथा प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। प्रतियोगिता सम्बन्धित अधिक जानकारी के लिए युवा संयोजक के मोबाईल नम्बर 9459108417 पर सम्पर्क कर सकते है।

राज्यपाल ने सर्वोदय बाल आश्रम के बच्चों के साथ दीपावली मनाई

हर बच्चे को प्रेम, स्नेह, देखभाल और समान अवसर मिलना चाहिए: राज्यपाल

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल ने बच्चों के साथ हिमाचली नाटी में भाग लिया, आपसी प्रेम और सौहार्द के उत्सव में हुए शामिल दीपावली पर करुणा, समावेशिता और आशा का संदेश दिया।

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने शिमला स्थित लोक भवन में सर्वोदय बाल आश्रम के बच्चों के साथ हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ दीपावली का पावन पर्व मनाया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल, सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की।

राज्यपाल ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके कुशलक्षेम की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के साथ त्योहार की खुशियां साझा करते हुए उनके उत्साह और उमंग में भागीदारी की। इस अवसर को और भी यादगार बनाते हुए राज्यपाल ने बच्चों के साथ हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक लोकनृत्य नाटी में भी भाग लिया। इससे प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं के प्रति उनकी आत्मीयता भी प्रदर्शित हुई।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आशा, करुणा, मानवीय मूल्यों और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक सार्थकता खुशियां बांटने, आपसी संबंधों को मजबूत करने तथा यह सुनिश्चित करने में है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के बच्चे, स्वयं को स्नेह, सम्मान और अपनत्व से जुड़ा हुआ महसूस करें।



उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कुछ असाधारण कर दिखाने की क्षमता होती है। आवश्यकता केवल उन्हें प्रेम, प्रोत्साहन, उचित मार्गदर्शन और अपने सपनों को साकार करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने की है। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बच्चा सम्मान, आत्मविश्वास और आशा के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके। बच्चों को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रसन्नता और सर्वांगीण विकास समाज की साझा प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि प्रत्येक बच्चे को उसकी परिस्थितियों से परे शिक्षा प्राप्त करने, आगे बढ़ने और जीवन में सफलता हासिल करने के समान अवसर उपलब्ध करवाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं। राज्यपाल ने लोगों से आह्वान किया कि वे त्योहारों की खुशियों को केवल अपने घरों तक सीमित न रखें, बल्कि जरूरतमंदों, वंचित बच्चों और बुजुर्गों के बीच जाकर उनके साथ खुशियां साझा करें तथा उन्हें स्नेह और सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास ही हमारी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों की सच्ची भावना को प्रतिबिंबित करते हैं।

राज्यपाल ने बच्चों के साथ दीपावली मनाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आत्मीय संवाद और सहभागिता जीवनभर याद रहने वाली सुखद स्मृतियां बनाते हैं तथा बच्चों में अपनत्व और भावनात्मक जुड़ाव की भावना को मजबूत करते हैं।

मुख्यमंत्री का अपना परिवार सुखी परिवार योजना का अगले महीने किया जाएगा शुभारम्भ: सुक्खू



भूपिन्दर चौहान
शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने बीते वीरवार देर शाम चंबा जिला के भरमौर विधानसभा क्षेत्र की मैहला ग्राम पंचायत के दूरदराज गांव मेहला में 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम की अध्यक्षता की। गांव में रात्रि ठहराव के दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों, महिला मंडलों और युवक मंडलों के साथ संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं और शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना तथा अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

पारंपरिक वेशभूषा में सजे स्थानीय निवासियों ने पारंपरिक पहाड़ी लोकधुनों के बीच मैहला ग्राम पंचायत पहुंचने पर मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्रामीणों के लिए यह एक अवस्मरणीय लम्हा था, क्योंकि पहली बार प्रदेश का कोई मुख्यमंत्री इस सुदूर क्षेत्र में रात्रि ठहराव के लिए पहुंचे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं और चुनौतियों को करीब से समझने का प्रयास किया। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा परोसे गए स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों का भी आनंद लिया।

ग्रामीणों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के दुर्गम के गांवों में प्रवास के दौरान यहां रात्रि ठहराव करने का उद्देश्य स्थानीय लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को करीब से जानना है और उनकी समस्याओं और चिंताओं का निवारण सुनिश्चित करना है। श्री सुक्खू ने कहा कि 'सरकार गांव के द्वार' प्रदेश सरकार का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसके तहत जन समस्याओं के समाधान को प्रदेश सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री के दौरे केवल पॉलिटिकल ड्रामा, अंतिम समय का दान भी नहीं आएगा काम : रणधीर शर्मा

हिन्द जनपथ
शिमलाः भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी व श्री नैना देवी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रणधीर शर्मा ने शिमला में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्रों के दौरे और करोड़ों रुपए की घोषणाएं केवल राजनीतिक ड्रामा हैं। उन्होंने कहा, तीन साल तक मुख्यमंत्री को जनता की याद नहीं आई और अब चुनाव नजदीक आते ही जनता के बीच जाकर घोषणाओं की झड़ी लगाई जा रही है।

रणधीर शर्मा ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार के पास सड़कों की मरम्मत, एचआरटीसी की बसों के टायर बदलने, खराब मशीनरी ठीक करवाने और विधायक निधि जारी करने तक के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है। ऐसे में मुख्यमंत्री स्पष्ट करें कि करोड़ों रुपये की नई घोषणाओं के लिए बजट कहां से आएगा? उन्होंने कहा कि जनता के बीच स्थानीय वेशभूषा पहनकर नाचने और भोजन करने से भाजपा को कोई आपत्ति नहीं, लेकिन मुख्यमंत्री को अपनी सरकार की नाकामियों का जवाब भी देना चाहिए। शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर आपदा राहत राशि के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने एसडीआरएफ, एसडीएमएफ, एनडीआरएफ और



पीडीएनए सहित विभिन्न मदों में हजारों करोड़ रुपये की सहायता दी है। उन्होंने दावा किया कि पीडीएनए के अंतर्गत 2,006.40 करोड़ की पुनर्निर्माण योजना स्वीकृत हुई, जिसमें केंद्र का हिस्सा 1,504.80 करोड़ है। उनके अनुसार जुलाई और दिसंबर 2025 में 1,053.36 करोड़ जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपदा प्रभावितों के नाम पर आया पैसा कांग्रेस से जुड़े ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पीडीएनए के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों से हटकर धन खर्च करने, भाजपा विधायकों के क्षेत्रों की उपेक्षा करने और कांग्रेस नेताओं के क्षेत्रों को प्राथमिकता देने के आरोप भी उन्होंने लगाए।

शिक्षा मंत्री ने उबादेश क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़कों का किया लोकार्पण

हिन्द जनपथ
शिमला : शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर शुक्रवार को कोटखाई के उबादेश क्षेत्र के प्रवास पर रहे जहाँ उन्होंने उबादेश क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़कों का लोकार्पण किया।

सर्वप्रथम उन्होंने ग्राम पंचायत नगान में 1 करोड़ 75 लाख से निर्मित लगभग साढ़े चार किलोमीटर लम्बी मुंडाढाँक- मणोंन नाला - ओजड़ - कराल (लम्बीधार-कराल) सड़क का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने इसी पंचायत में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन की आधारशिला भी रखी। इस भवन के निर्माण पर 75 लाख रूपए खर्च किये जाएगे।

इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत कलबोग के अंतर्गत1 करोड़ 40 लाख से निर्मित बहुप्रतिक्षित मेलठ - क्यूनल - कलबोग सड़क का उद्घघाटन किया। गौरतलब है कि यह सड़क उबादेश क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण सड़क है जिसका कार्य 1960 के दशक में शुरू हुआ था किन्तु भूमि सम्बन्धी कारणों के चलते इस सड़क का कार्य लंबित पड़ा था।

रोहित ठाकुर ने सड़क निर्माण के महत्त्व पर बल देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है और यहाँ के



दूर दराज के क्षेत्रों में सड़के ही विकास का प्रमुख माध्यम है। इसी के मद्देनज़र वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान जुब्बल नावर कोटखाई में 206 नई सड़कों की पासिंग की गई है और 850 करोड़ रुपए से अधिक सड़क और भवन निर्माण परियोजनाओं पर खर्च किये जा रहे है।

कलबोग स्कूल का किया निरिक्षण

शिक्षा मंत्री ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलबोग का निरिक्षण किया। साथ ही इस विद्यालय में 4 करोड़ 33 लाख रूपये से निर्माणाधीन शैक्षणिक ब्लॉक् के कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की।

हिमाचल प्रदेश में प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के लिए गठित आयोग की पहली बैठक आयोजित

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के लिए गठित आयोग की पहली बैठक आज यहां आयोग के अध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति धर्म चंद चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान, प्रदेश में प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोग ने प्रदेश में जिलों, उपमंडलों, तहसीलों, उप-तहसीलों, विकास खंडों तथा विभिन्न विभागों की प्रशासनिक इकाइयों की मौजूदा संरचना की समीक्षा की।

आयोग ने प्रशासनिक इकाइयों के सृजन, विलय, विभाजन एवं पुनर्गठन से संबंधित प्रस्तावों के परीक्षण के लिए अपनाए जाने वाले मानदंडों एवं मापदंडों पर प्रारंभिक विचार-विमर्श किया। इस



दौरान जनसंख्या, भौगोलिक परिस्थितियों, पहुंच, प्रशासनिक दक्षता तथा जनसुविधा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रखने पर बल दिया गया।

बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि पुनर्गठन की पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना, जनसेवाओं की पहुंच को सुगम बनाना तथा विशेष रूप से प्रदेश के दूरदराज एवं दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा करना होना चाहिए।

आयोग ने मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था का समग्र आकलन करने के लिए संबंधित विभागों एवं उपायुक्तों से आवश्यक जानकारी, जनसांख्यिकीय आंकड़े और सुझाव प्राप्त करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। इसके अतिरिक्त जनप्रतिनिधियों, विभिन्न हितधारकों तथा संबंधित विभागों के साथ विचार-विमर्श के महत्व पर भी बल दिया गया।

प्रस्तावित पुनर्गठन के संभावित वित्तीय प्रभावों, विशेषकर आधारभूत ढांचे एवं मानव संसाधन की आवश्यकताओं पर भी चर्चा की गई। आयोग ने उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने तथा राज्य के राजकोष पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाले बिना प्रशासनिक दक्षता को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया।

आयोग ने मौजूदा प्रशासनिक ढांचे का विस्तृत परीक्षण करने तथा विचार-विमर्श की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन से आवश्यक जानकारी और सुझाव प्राप्त करने का निर्णय लिया।

बीबीएमबी मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला हिमाचल के अधिकारों की जीत: केवल सिंह पठानिया

धर्मशालाः उप मुख्य सचेतक एवं शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने आज मिनी सचिवालय धर्मशाला के कैबिनेट हाल में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को हिमाचल प्रदेश के अधिकारों की बड़ी जीत करार दिया। उन्होंने कहा कि यह फैसला मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता, निरंतर प्रयासों और अधिकारियों व कानूनी टीम की प्रभावी पैरवी का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि बीबीएमबी मामले में हिमाचल प्रदेश लंबे समय से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहा था। प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में मजबूती से अपना पक्ष रखा, जिसके परिणामस्वरूप हिमाचल के हित में ऐतिहासिक निर्णय आया है। यह फैसला प्रदेशवासियों के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला हिमाचल प्रदेश के पक्ष में आया है जोकि पूरे प्रदेशवासियों की जीत है। यह निर्णय माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के प्रयासों से प्रदेश के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इससे मिलने वाली बिजली से प्रदेश को सालाना 500 से 600 करोड़ रुपये की आय होने की संभावना है। आने वाले 20 वर्षों में इस निर्णय से 11973 करोड़ यूनिट बिजली राज्य को प्राप्त होगी। केवल सिंह पठानिया ने कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के प्रोजेक्ट्स में हिमाचल प्रदेश को 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली है। इससे हिमाचल प्रदेश को आने वाले वर्षों में आर्थिक रूप से बड़ी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश को मिलने वाले बिजली के हिस्से और उससे होने वाले संभावित आर्थिक लाभ से राज्य की विकास योजनाओं को गति मिलेगी।

बीबीएमबी के फैसले से हिमाचल की ऐतिहासिक जीत, अब चंडीगढ़ पर 7.19 फीसदी हिस्सेदारी का दावा ठोकेगी सरकार: विक्रमादित्य सिंह

भूपिन्दर चौहान
शिमलाः भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) में हिमाचल प्रदेश के बिजली के बकाया हिस्से को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले को प्रदेश सरकार ने हिमाचल की बड़ी जीत करार दिया है। कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि हिमाचल ने अपने हक की लंबी लड़ाई जीती है। अब प्रदेश सरकार चंडीगढ़ में हिमाचल की 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी के दावे को भी मजबूती से उठाएगी।



कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि बीबीएमबी के मामले में इस लड़ाई की शुरुआत वर्ष 1996 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने की थी। सोनिया गांधी के सहयोग से हिमाचल के अधिकारों की इस लड़ाई को आगे बढ़ाया गया। करीब चार दशक से चल रही इस कानूनी लड़ाई में मामला हिमाचल हाईकोर्ट से लेकर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 में भी इस मामले में ऐतिहासिक फैसला आया था।

वे शुक्रवार को शिमला में मीडिया से बात कर रहे थे।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से हिमाचल को 11,973 मिलियन यूनिट बिजली अगले 20 वर्षों तक मिलती रहेगी। इससे प्रदेश को हर साल करीब 400 करोड़ रुपए का आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक लाभ की लड़ाई नहीं थी, बल्कि हिमाचल के संवैधानिक और सैद्धांतिक अधिकारों की लड़ाई थी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू भी इस जीत के लिए बधाई के पात्र हैं।

उन्होंने कहा कि बीबीएमबी के गठन के कारण आज भी हिमाचल को अपने ही प्रदेश में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़कों और पुलों के निर्माण जैसे कार्यों के लिए भी बीबीएमबी से मंजूरी लेनी पड़ती है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हिमाचल ने अपने हितों की एक बड़ी लड़ाई जीती है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू लगातार प्रदेश के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार ने इस मामले में देश के बेहतरीन वकीलों को नियुक्त कर कानूनी लड़ाई लड़ी। अब चंडीगढ़ में भी हिमाचल प्रदेश की 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी का दावा है और सरकार इस अधिकार को हासिल करने के लिए भी लड़ाई लड़ी जाएगी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया दूसरी तिमाही में दर्ज की सबसे ज्यादा ग्रोथ

शिमलाः भारत के मशहूर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड,एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं।कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद,पिछले साल के मुकाबले अपनी सबसे ज्यादा ग्रोथ हासिल की है।यह लगातार दूसरी तिमाही है जब कंपनी ने डबल डिजिट ग्रोथ दर्ज की है।

एलजीई इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर,होंग जू जियोन ने कहा है कि लगातार दूसरी तिमाही में शानदार नतीजे दिए हैं,जिससे पहली छमाही भी बहुत मजबूत रही है।एक लिस्टेड कंपनी के तौर पर एलजीई इंडिया का पहला साल पूरा हो रहा है,और यह प्रदर्शन हमारे शेयरधारकों के हम पर भरोसे और उनके लिए लंबे समय का फायदा बनाने के हमारे वादे को दिखाता है।

DC ऑफिस के बाहर बेकाबू ट्राले ने मचाई तबाही, एक साथ 5 गाड़ियां डैमेज

हमीरपुर। डीसी कार्यालय हमीरपुर के बाहर शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब हमीरपुर की ओर से आ रहा एक ट्राला अचानक अनियंत्रित होकर सडक़ पर खड़े अन्य वाहनों से जा टकराया। हादसे में दो अन्य ट्रालों सहित करीब तीन दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इस तरह दुर्घटना में कुल पांच वाहन इसकी चपेट में आए।

अचानक हुए इस हादसे से मौके पर हडक़ंप मच गया। ट्राले की टक्कर से अन्य वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा। प्रारंभिक तौर पर ट्राले की ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ट्राला किन परिस्थितियों में अनियंत्रित हुआ। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।



चम्बा ज़िला के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने किए 656 करोड़ रुपये के उद्घाटन एवं शिलान्यास

मां मेरे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा-मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने चंबा जिला के अपने चार दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन शुक्रवार को भरमौर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मैहला ग्राम पंचायत में राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला और पीएम श्री राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला, मैहला के बच्चों के साथ संवाद किया। वह व्यक्तिगत रूप से भी प्रत्येक विद्यार्थी से मिले और उनसे पूछा कि वे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं।



संवाद के दौरान बारहवीं कक्षा के छात्र चाणक्य ने मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि उन्हें राजनीति में आने की प्रेरणा कैसे मिली जिस पर श्री सुक्खू ने कहा कि छात्रकाल से ही उनमें नेतृत्व करने की भावना थी। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी के प्रति उनका कोई लगाव नहीं था। वह कक्षा प्रतिनिधि से मुख्यमंत्री के पद पर पहुंचे हैं। कॉलेज और विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव जीतने के बाद राजनीति की ओर रुझान बढ़ा और इसके बाद नगर निगम पार्षद तथा चार बार विधायक बने।

दसवीं कक्षा की छात्रा सुहानी ने मुख्यमंत्री से अपने विद्यालय में विद्यार्थियों के बैठने की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं होने का उल्लेख करते हुए अतिरिक्त कमरों के निर्माण का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने अतिरिक्त कमरों के निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैहला स्कूल को अगले शैक्षणिक सत्र से सीबीएसई स्कूल बनाया जाना है इसलिए स्कूल के नए भवन के लिए भूमि आवंटित की जाएगी।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी लगन, मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति को मूल मंत्र के रूप में प्रयोग करें।

चौथी कक्षा की छात्रा ने मुख्यमंत्री से सवाल पूछा कि अपने जीवन में उन्हें सबसे ज्यादा प्रेरणा किससे मिली, जिस पर उन्होंने कहा कि उनकी माताजी उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा रहीं हैं। मुख्यमंत्री ने दोनों स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी विस्तार से जवाब दिए।

श्री सुक्खू ने अपने चार दिवसीय दौरे के दौरान चंबा जिला के तीसा, भटियात और भरमौर विधानसभा क्षेत्रों में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में उन्होंने 656 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

पंजाब की मंडियों में धान की आवक और खरीद रिकॉर्ड 150 लाख मीट्रिक टन के पार, लिफ्टिंग 110 लाख मीट्रिक टन तक पहुंची : लाल चंद कटारूचक्क

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क ने आज जानकारी दी कि पंजाब की मंडियों में धान की आवक और खरीद रिकॉर्ड 150 लाख मीट्रिक टन (एल.एम.टी.) के पार हो गई है, जो कि चल रहे खरीफ विपणन सीजन 2026-27 में एक बड़ी उपलब्धि है।



उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार ने राज्य की सभी मंडियों में सुचारू, बिना किसी बाधा के और किसान-हितैषी खरीद कार्य सुनिश्चित किए हैं। उन्होंने कहा कि आवक अब 152 एल.एम.टी. के पार हो गई है और खरीद भी 150 एल.एम.टी. के पार हो गई है, जो कि पंजाब सरकार की कुशल खरीद प्रणाली में किसानों के विश्वास को दर्शाता है।

मंत्री ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि कुल लिफ्टिंग 110 एल.एम.टी. तक पहुंच चुकी है और खरीद के 72 घंटों के मुकाबले लिफ्टिंग का प्रतिशत 84.65 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि लिफ्टिंग को तेज करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि मंडियां ताजा आवक के लिए खाली रहें और किसानों को कोई मुश्किल न पेश आए।

श्री कटारूचक्क ने आगे बताया कि किसानों के खातों में 33000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है, जो कि 100.89 प्रतिशत बनता है। उन्होंने दोहराया कि किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाएगा और भुगतान समय पर किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग सभी खरीद एजेंसियों, मंडी बोर्ड, ट्रांसपोर्टरों और मजदूरों के साथ निकट समन्वय करके निर्विघ्न खरीद, समय पर लिफ्टिंग और तत्काल भुगतान सुनिश्चित कर रहा है।

गैंगस्टरां ते वार का 290वां दिन: पंजाब पुलिस ने 545 स्थानों पर की छापेमारी; 202 काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में चलाए जा रहे अभियान 'गैंगस्टरां ते वार' के 290वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 545 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक लड़ाई है, जिसे 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू किया गया था। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ), पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं।

अभियान के 290वें दिन पुलिस टीमों ने पांच हथियारों सहित 202 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 82,889 हो गई है।

इसके अतिरिक्त, 168 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इस कार्रवाई के दौरान चार भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

आम लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों के संबंध में भी सूचना साझा कर सकते हैं।

इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 615वें दिन भी जारी रखते हुए 131 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 36.5 किलोग्राम हेरोइन, 500 ग्राम अफीम, 121 किलोग्राम भुक्की, 4,206 नशीली गोलियां और 17,700 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। इसके साथ ही मात्र 615 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या बढ़कर 91,432 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 33 व्यक्तियों को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास उपचार करवाने के लिए प्रेरित किया है।

ग्लोबल वार्मिंग विश्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है : संत बलबीर सिंह सीचेवाल

जालंधर: राज्य सभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। धरती के बढ़ते तापमान के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और इसके गंभीर नतीजे सामने आ रहे है।

वह आज यहां ग्रीन मॉडल टाउन में इनोसेंट हार्ट्स ग्रुप द्वारा स्कूल में करवाए गए समारोह को संबोधित कर रहे थे। संत सीचेवाल ने कहा कि तापमान में लगातार हो रहे इजाफे के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे है। उन्होंने हाल ही में नेपाल में ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने के कारण हुई भारी तबाही का जिक्र करते हुए कहा कि प्रकृति से की जा रही छेड़छाड़ के नतीजे मानवता को भुगतने पड़ रहे है। जलवायु परिवर्तन के कारण कहीं भीषण बाढ़ आ रही है और कहीं सूखे जैसे हालात पैदा हो रहे है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में चल रही जंगों के कारण मानवता का भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया को कई बार तबाह करने के सक्षम हथियार तो तैयार कर लिए गए हैं, लेकिन मानवीय जीवन को बचाने के लिए जरूरी साफ पानी और शुद्ध हवा भी सुरक्षित नहीं रहे। संत सीचेवाल ने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए साफ पानी और शुद्ध हवा का प्राकृतिक खजाना संभालकर जाएं। पर्यावरण की रक्षा समाज के हर व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है।

भारत ने जापान को 4-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता, दक्षिण कोरिया को 5-2 से हराकर तीसरे स्थान पर रही मलेशिया टीम

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी प्रतियोगिता में अपने अजेय सफर को लगातार जारी रखते हुए भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम, मोहाली में खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान को 4-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम करके नया इतिहास रच दिया है।



इस जीत के साथ ही भारतीय हॉकी टीम ने 2023 और 2024 की जीत के बाद खिताबों की हैट्रिक पूरी कर ली है, जो पूरे टूर्नामेंट के दौरान सभी 7 मैच जीतकर अजेय रही।

आज दिन के पहले मुकाबले में मलेशिया ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मैच में दक्षिण कोरिया को 5-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

अपना तीसरा फाइनल खेल रही जापान की टीम ने शुरुआत में ही बढ़त लेकर भारत को बड़ा झटका दिया। तीसरे मिनट में काजुमासा मात्सुमोतो ने शानदार बैकहैंडर के जरिए गोल करके जापान को 1-0 से आगे कर दिया और जापान ने हाफ-टाइम तक यह बढ़त बनाए रखी।

आधे समय के बाद भारत ने जोरदार वापसी की और 42वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह द्वारा पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए शानदार पास के कारण शिलानंद लाकड़ा ने गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके बाद मेजबान टीम ने आखिरी क्वार्टर में विरोधी टीम पर पूरी तरह दबाव बना लिया और दिलप्रीत सिंह ने 47वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद जुगराज सिंह ने 52वें मिनट में जोरदार ड्रैग-फ्लिक के जरिए यह बढ़त 3-1 कर दी और इसके अगले ही मिनट यानी 53वें मिनट में विवेक सागर प्रसाद ने गोल करके 4-1 के स्कोर के साथ भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारतीय टीम, जिसने जालंधर में भी लीग चरण में जापान को 4-1 से हराया था, ने अब 2011, 2016, 2018 (संयुक्त खिताब), 2023, 2024 और 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। दूसरी ओर, जापान को अभी भी अपने पहले खिताब का इंतजार है, जिसे 2013, 2021 और अब 2026 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम का शानदार नेतृत्व किया, जबकि हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, शिलानंद लाकड़ा और गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने फाइनल जीत में अहम भूमिका निभाई।

कांस्य पदक का मैच: मलेशिया ने दक्षिण कोरिया को 5-2 से हराया

मलेशिया ने 1-2 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए दक्षिण कोरिया को 5-2 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया।

साइकिल ट्रैक बना वाहनों का शॉर्टकट! चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ट्रिब्यून चौक से दिल्ली हाईवे की ओर जाने वाले मार्ग पर हल्लोमाजरा की तरफ आने वाले स्लिप रोड के साइकिल ट्रैक पर दोपहर करीब 3 बजे यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।



हाईवे पर जाम लगते ही कार चालक, ऑटो चालक और मोटरसाइकिल सवार जल्दबाजी में अपने वाहन साइकिल ट्रैक पर चढ़ा देते हैं और तेज रफ्तार से निकलते हैं। इससे साइकिल चालकों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। जिस ट्रैक का निर्माण साइकिल चालकों की सुरक्षित आवाजाही के लिए किया गया है, उसी पर दूसरे वाहन चालक कब्जा जमाकर चल रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस की निगरानी पर है। मौके पर ट्रैफिक कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या कैमरों के माध्यम से ऐसे वाहन चालकों के चालान किए जा रहे हैं? यदि नहीं, तो आखिर नियमों का पालन कौन करवाएगा?

सोशल वर्कर अरविंद सिंह ने इस मामले पर कड़ी नाराजगी जताते हुए चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि साइकिल ट्रैक पर वाहन चलाने वालों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। नियम तोड़ने वाले वाहनों को इंपाउंड किया जाए, कैमरों से चालान किए जाएं और नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए।

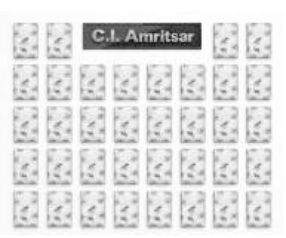
अरविंद सिंह ने कहा कि सड़क पर जाम लगना कोई बहाना नहीं हो सकता कि कोई भी चालक अपनी सुविधा के लिए दूसरे की जान जोखिम में डाल दे। लगातार सड़क दुर्घटनाओं के बावजूद यदि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई नहीं होती, तो यह बेहद चिंताजनक है।

अमृतसर में 36 किलो हेरोइन बरामद; नाबालिग सहित चार काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित और नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) अमृतसर ने सीमा पार से नशा तस्करी वाले गिरोह का पर्दाफाश करके नाबालिग सहित चार व्यक्तियों को 36 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान साहिल सिंह निवासी घनुपुर, अमृतसर, परमजीत सिंह और कमलपाल सिंह दोनों निवासी राजासांसी, अमृतसर के रूप में हुई है, जिनके साथ एक नाबालिग को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी परमजीत सिंह का पुराना आपराधिक पृष्ठभूमि है और उसके खिलाफ एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत तीन मामले दर्ज हैं।



बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद करने के अलावा पुलिस टीमों ने नशे की सप्लाई में इस्तेमाल किए जा रहे आरोपियों के दो हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त किए हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी कथित तौर पर विदेश बैठे अपने हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उक्त हैंडलर लोपोके क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक हेरोइन की खेप पहुंचाने का प्रबंध कर रहा था, जिन्हें वह आगे अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से अन्य पक्षों को सप्लाई करता था। कार्रवाई का विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सी.आई. अमृतसर को पुख्ता सूचना मिली थी कि विदेश बैठे हैंडलर के चार साथियों ने लोपोके सीमावर्ती क्षेत्र से ड्रोन के माध्यम से गिराई गई हेरोइन की बड़ी खेप प्राप्त की है और वे यह खेप अमृतसर-लोपोके रोड पर किसी अन्य पार्टी को सौंपने जा रहे हैं। पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और भारतमाला हाईवे पुल के नजदीक साहिल सिंह, परमजीत सिंह, कमलपाल सिंह और उनके चौथे नाबालिग साथी को 36 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार कर लिया।

केंद्र से मिले बाढ़ राहत के 1,600 करोड़ रुपये 'आप' सरकार ने दूसरी जगह खर्च किए: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने पिछले साल बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित 1,600 करोड़ रुपये की राशि को कहीं और खर्च कर दिया।

सैनी ने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा था जिसमें पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विनाशकारी बाढ़ के दौरान लोगों को हुए हर नुकसान (यहां तक कि एक मुर्गी तक) के मुआवजे का वादा किया था। सैनी के अनुसार, मान ने यह भी कहा था कि उन्हें धनराशि के लिए केंद्र सरकार पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि हालांकि, जब पंजाब में बाढ़ आई तो मान के पास किसानों को मुआवजा देने के लिए पैसे नहीं थे। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले साल प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए पंजाब को 1,600 करोड़ रुपये और हिमाचल प्रदेश को 1,500 करोड़ रुपये दिए थे।

उन्होंने आरोप लगाया, ''हिमाचल प्रदेश ने यह नहीं कहा कि उसे धनराशि नहीं मिली और उसने उस राशि का इस्तेमाल किया। वहीं, पंजाब सरकार अब भी कह रही है कि उसे पैसा नहीं मिला जबकि उसने उस धनराशि को कहीं और खर्च कर दिया है।''

सैनी ने दावा किया कि पंजाब के किसानों ने उन्हें बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्रियों ने उनकी मौजूदगी में मुआवजे के चेक बांटे और मीडिया के सामने तस्वीरें भी खिंचवाईं लेकिन पत्रकारों के वहां से जाने के बाद चेक वापस ले लिए गए।

उन्होंने सवाल किया, ''वे ऐसा ही करते हैं। फिर पंजाब के लोग उन्हें वोट कैसे देंगे?'' मान पर निशाना साधते हुए सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने पांच साल काम करने के बजाय चुटकुले सुनाने में बिताए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) ने 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब की हर महिला को हर महीने 1,000 रुपये देने का अपना वादा भी पूरा नहीं किया।

झोटा के पिता का ऐलान- सरकारी मुआवजा नहीं लूंगा; PGI में शुरू किया अनशन, मानसा के SSP के तबादले की मांग

चंडीगढ़- परविंदर सिंह झोटा की मौत के करीब 23 दिन बाद उनके शव का पोस्टमार्टम पीजीआई चंडीगढ़ में कराने पर सहमति बन गई। बृहस्पतिवार देर रात करीब 12 बजे से कुछ समय पहले मानसा के सिविल अस्पताल से शव को एंबुलेंस के जरिए चंडीगढ़ रवाना कर दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से झोटा की मौत के कारणों का पता चलने की उम्मीद है। इस बीच परविंदर सिंह झोटा के पिता भीम सिंह ने सरकार की ओर से मुआवजा या सरकारी नौकरी लेने से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें सरकार से न तो किसी तरह का मुआवजा चाहिए और न ही परिवार के किसी सदस्य के लिए नौकरी। उनका कहना है कि उनका संघर्ष नशे के खिलाफ है और वह इसे जारी रखेंगे। परविंदर सिंह झोटा के पोस्टमार्टम के लिए शव पीजीआई चंडीगढ़ पहुंचने के बाद उनके पिता ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उन्होंने मानसा के एसएसपी के तबादले की मांग उठाई है। झोटा के पिता ने भावुक होते हुए कहा, 'मैं अब से अन्न का एक दाना भी नहीं खाऊंगा और नशे के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। अगर इस लड़ाई में मेरी जान भी चली जाती है तो मुझे इसका कोई गम नहीं होगा।' उन्होंने कहा कि उन्हें किसी के पैसे की जरूरत नहीं है। सरकार की ओर से जो सुरक्षा मुहैया करवाई गई है, उसकी भी उन्हें जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारा बेटा तो दुनिया से चला गया, अब हम इस सुरक्षा का क्या करेंगे?'

युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण, स्वदेशी और सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए 15 नवंबर को पंचकूला में निकलेगी विशाल 'स्वदेशी संकल्प यात्रा'

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। भारत की युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण, स्वावलंबन, उद्यमिता और स्वदेशी विचारधारा से जोड़ने के उद्देश्य से स्वदेशी जागरण मंच हरियाणा की ओर से व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। इसी कड़ी में आगामी 15 नवंबर को पंचकूला में विशाल 'स्वदेशी संकल्प यात्रा' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर से हजारों युवा स्कूटर और मोटरसाइकिलों के माध्यम से भाग लेंगे। इसके अलावा 18 से 27 दिसंबर तक सेक्टर-5 स्थित परेड ग्राउंड में 10 दिवसीय विशाल स्वदेशी महोत्सव आयोजित किया जाएगा।

इन आयोजनों की जानकारी स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. राजेश गोयल, हरियाणा प्रांत संयोजक अरुण गर्ग, मेला प्रमुख रजनीश गर्ग तथा जिला मीडिया प्रमुख सुरेंद्र गोयल ने आज आयोजित प्रेस वार्ता में दी। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने सभी पत्रकार बंधुओं एवं प्रदेशवासियों को धनतेरस से लेकर भाई दूज तक मनाए जाने वाले दीपावली के पांच दिवसीय पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी ताकत

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. राजेश गोयल ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। देश की लगभग 147 करोड़ आबादी में करीब 37 करोड़ युवा 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में आते हैं। वहीं देश की लगभग 68 प्रतिशत आबादी कार्यशील आयु वर्ग में है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी और भविष्य की विकास यात्रा का आधार है।

उन्होंने कहा कि जहां दुनिया के कई विकसित देश बढ़ती उम्र की आबादी और कार्यबल की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, वहीं भारत के पास युवा ऊर्जा, प्रतिभा और सामर्थ्य का विशाल भंडार है। आवश्यकता इस बात की है कि इस ऊर्जा को सही दिशा, सकारात्मक सोच और राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ा जाए। युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति हैं। देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती में युवाओं की भूमिका निर्णायक है।

युवाओं को नशे और नकारात्मकता से बचाना समय की आवश्यकता

अरुण गर्ग ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के सामने नशे, भ्रामक प्रचार, सांस्कृतिक प्रभावों और सामाजिक चुनौतियों के रूप में अनेक समस्याएं खड़ी हैं। युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के बजाय उसे नकारात्मक दिशा में मोड़ने के प्रयास भी चिंता का विषय हैं। ऐसे समय में जरूरी है कि युवाओं को भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय मूल्यों, खेलकूद, अच्छे स्वास्थ्य, उद्यमिता और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया जाए।

विजिलेंस ब्यूरो ने 50,000 रुपये रिश्वत मांगने के आरोप में पनग्रेन के मैनेजर और इंस्पेक्टर को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत पनग्रेन के मैनेजर मनप्रीत सिंह और बरनाला मंडी की इंस्पेक्टर/इंचार्ज दविंदर कौर को 50,000 रुपये रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है।



इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपियों को लखखी कॉलोनी, बरनाला के निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आरोपी मनप्रीत सिंह, मैनेजर पनग्रेन और दविंदर कौर, इंस्पेक्टर/इंचार्ज बरनाला मंडी ने उसके चावल शेलर की क्षमता के अनुसार धान का आवंटन बढ़ाने के बदले 50,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने आरोपियों द्वारा रिश्वत मांगने के संबंध में हुई बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया था।

रिश्वत देने के लिए सहमत न होने के कारण शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज पटियाला से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो ने शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये रिश्वत मांगने के आरोप में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में दोनों आरोपियों के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो थाना पटियाला में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है तथा मामले की आगे की जांच जारी है।

हॉकी पंजाब और जालंधर प्रशासन ने एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की सफलता को प्रदेश की खेलों के लिए बड़ा मील का पत्थर बताया

जालंधर: हॉकी पंजाब के अध्यक्ष नितिन कोहली, डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया, पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह और नगर निगम कमिश्नर सुरिंदर सिंह ने 'एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी' की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की भरपूर प्रशंसा की। यह टूर्नामेंट पंजाब में पहली बार जालंधर और मोहाली में आयोजित किया गया था।

मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शिता, नेतृत्व और सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। इस सहयोग ने जालंधर में इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन की मेजबानी सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि जालंधर और मोहाली दोनों जगहों पर स्टेडियमों का काम और अपग्रेडेशन महज चार महीनों के रिकॉर्ड समय में सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिसके कारण यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन पूरी तरह सफल रहा।

उन्होंने बताया कि 'हॉकी इंडिया' और 'एशियाई हॉकी फेडरेशन' ने आधिकारिक संचार के माध्यम से कहा कि देश भर में हुए पिछले 50 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में से जालंधर-मोहाली में हुए मैचों में दर्शकों की सबसे शानदार भागीदारी और प्रशंसकों द्वारा बेमिसाल समर्थन देखने को मिला। हॉकी पंजाब के अध्यक्ष और हॉकी इंडिया के उपाध्यक्ष नितिन कोहली ने जिला प्रशासन के अथक प्रयासों की प्रशंसा की, जिन्होंने रिकॉर्ड गति से बुनियादी ढांचे को अपग्रेड किया और पूरे प्रबंधों को बिना किसी रुकावट के अंजाम तक पहुंचाया।

उन्होंने कहा कि खेल जगत और स्थानीय निवासियों द्वारा मिला समर्थन जिन्होंने आजादी के बाद पहली बार अपने शहरों में अंतरराष्ट्रीय हॉकी मुकाबले लाइव देखे, उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

जुडिशियल कोर्ट कॉम्प्लेक्स में दिवाली संबंधी विशेष प्रदर्शनी लगाई

जालंधर: दिवाली के शुभ अवसर पर ऑब्जर्वेशन होम फॉर गर्ल्स और चिल्ड्रन होम फॉर गर्ल्स, गांधी विनीता आश्रम, जालंधर द्वारा सजावटी वस्तुओं की एक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें वहां रहने वाली प्रतिभाशाली लड़कियों द्वारा तैयार की गईं सुंदर हस्तकला वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया।

यह समारोह स्थानीय नए जुडिशियल कोर्ट कॉम्प्लेक्स में जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-चेयरपर्सन, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, जालंधर श्रीमती प्रिया सूद के नेतृत्व में करवाया गया।

इस प्रदर्शनी में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती प्रिया सूद के साथ-साथ अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री पी.एस. राय, श्री जगमोहन सिंह संघे, श्री जसविंदर सिंह, श्रीमती दीप्ति गुप्ता, श्रीमती अर्चना कंबोज और श्री विशेश कंबोज ने भी शिरकत की। इसके अलावा श्रीमती हरप्रीत कौर, सीनियर डिवीजन सिविल जज, जालंधर और श्री राहुल कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, जालंधर भी मौजूद थे।



न्यायिक अधिकारियों ने स्टॉलों का दौरा किया, त्योहारों के लिए सजावटी वस्तुएं खरीदीं और बच्चों की शानदार रचनात्मकता, मेहनत और कलात्मक प्रयासों की पूरे दिल से सराहना की। वस्तुओं की बिक्री से एकत्र हुई सारी राशि बच्चों की भलाई और विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। इस मौके पर जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के सीनियर सहायक जगन नाथ भी मौजूद थे।

एक दान से बचेंगी 3 जिंदगियां, शहर को मिली ताकतवर ब्लड कंपोनेंट मशीन

चंडीगढ़- शहर के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन। रोटरी क्लब चंडीगढ़ ने आज शहर के लोगों को अत्याधुनिक ऑटोमेटेड ब्लड कंपोनेंट प्रोसेसिंग मशीन समर्पित की। क्रायोफ्यूज 16 मशीन को रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसायटी रिसोर्स सेंटर (आरबीबीएसआरसी), सेक्टर 37 को औपचारिक रूप से सौंपा गया। यह मशीन रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व विश्व अध्यक्ष राजेंद्र के. साबू ने वरिष्ठ डॉक्टरों, रोटेरियन, दानदाताओं और नागरिकों की उपस्थिति में सौंपी। इससे क्षेत्र में कंपोनेंट ब्लड बैंकिंग का नया दौर शुरू होगा।



आरबीबीएसआरसी के निदेशक डॉ. मनीष राय ने कहा, 'ब्लड बैंक के पास पहले दो कंपोनेंट सेपरेटर थे। अब नई अत्याधुनिक क्रायोफ्यूज 16 से एक यूनिट खून कुछ ही मिनटों में तीन महत्वपूर्ण हिस्सों में अलग हो जाएगा।'

ये तीन हिस्से हैं: 1. पीआरबीसी (पैक्ड रेड सेल्स) - एनीमिया, सर्जरी और दुर्घटना पीड़ितों के लिए, 2. एफएफपी (फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा) - लिवर की बीमारी और खून बहने की बीमारी वालों के लिए, 3. प्लेटलेट्स / क्रायोप्रेसिपिटेट - डेंगू, कैंसर और हीमोफीलिया के मरीजों के लिए- ब्लड बैंक की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष अनिल नेहरू ने बताया कि 65 लाख रुपये की यह मशीन रोटरी फाउंडेशन के ग्लोबल ग्रांट, राजेंद्र के. साबू के सहयोग और साझेदार रोटरी क्लबों - रोटरी क्लब ऑफ साल्ट लेक सिटी, अमेरिका, रोटरी क्लब जगाधरी और रोटरी डिस्ट्रिक्ट 5420 के सहयोग से खरीदी गई है।

संपादकीय

विदेश में भारतीयों की जान पर खतरा, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी

भारत की विदेश नीति परंपरागत रूप से शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की ही रही है, लेकिन इसके साथ ही अपने नागरिकों की सुरक्षा के मामले में दृढ़ रुख अपनाना भी आवश्यक है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जारी युद्ध और क्षेत्रीय संघर्षों ने अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता तनाव हो या रूस-यूक्रेन युद्ध, इनका असर केवल संबंधित देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक समुदाय भी इनसे प्रभावित हो रहा है।इन संघर्षों के बीच सबसे चिंताजनक स्थिति दूसरे देशों के उन आम नागरिकों की है, जिनका युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन उनकी जान पर जोखिम बढ़ता जा रहा है। ऐसे में कारोबार, शिक्षा और अन्य कारणों से विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।संघर्ष वाले इलाकों में हो रहे हमलों में भारतीयों की जान जाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में ओमान तट के पास बीते सोमवार शाम को वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले में एक और भारतीय नाविक की मौत हो गई। सवाल है कि विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या विदेश मंत्रालय की ओर से इस तरह के हमलों की केवल निंदा कर देना काफी है?गौरतलब है कि पश्चिम एशिया भारत के लिए रणनीतिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस क्षेत्र के विभिन्न देशों में लाखों भारतीय नागरिक काम करते हैं। वे न केवल वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं, बल्कि अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में अपने परिवारों को भेजते हैं। इससे देश को विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, जो राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को मजबूती देती है। मगर जब से इस क्षेत्र में सैन्य संघर्ष शुरू हुआ है, तब से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद से विभिन्न हमलों में अब तक कुल तेईस भारतीय नागरिकों की जान जा चुकी है, जिनमें पंद्रह भारतीय नाविक भी शामिल हैं।यह स्थिति केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का प्रभाव भी भारतीय नागरिकों के लिए खतरा बना हुआ है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, काला सागर क्षेत्र में हुए हमलों में अब तक पांच भारतीयों की मौत हो चुकी है। युद्ध के दौरान किसी देश के आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है और इस तरह की हिंसा को किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता।

'नशे की समस्या से निपटने में आप सरकार नाकाम'

(भारत कुमार)

पंजाब में कांग्रेस का चुनावी अभियान शुरू, नशा मुक्ति का वादा होगा कितना असरदार होगा। राहुल गांधी ने आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाया कि करीब पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बावजूद वह पंजाब से नशे का कारोबार खत्म करने का अपना चुनावी वादा पूरा नहीं कर पाई है। फरवरी 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने बुधवार को अपना प्रचार अभियान शुरू कर दिया। प्रचार के पहले ही दिन राहुल गांधी ने संगरूर में एक रैली में का कि पंजाब के सामने सबसे बड़ी चुनौती नशे की है। संगरूर मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता भगवंत मान का गृह क्षेत्र है।राहुल गांधी ने आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाया कि 2022 के विधानसभा चुनाव में नशे का कारोबार खत्म करने का वादा करने के बावजूद वह इस समस्या से निपटने में नाकाम रही है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि जब वे पहले संसद में साथ होते थे, तब भगवंत मान के मुंह से शराब की गंध आती थी।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने रैली में कहा, पंजाब को ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो उसके लिए लड़े, जो नशे की वजह से होने वाले दर्द को सचमुच महसूस करे और जिसके दिल में पंजाब का दर्द हो।

राहुल गांधी ने आगामी विधानसभा चुनाव में नशे के संकट को कांग्रेस का प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया है। हालांकि, फरवरी 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले भी कांग्रेस ने इसी मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था।15 दिसंबर 2015 को तलवंडी साबो में तख्त श्री दमदमा साहिब के पास एक रैली में कांग्रेस के तत्कालीन नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने गुटका साहिब (सिखों का पवित्र प्रार्थना ग्रंथ) हाथ में लेकर कसम खाई थी कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो सरकार बनने के चार हफ्ते के भीतर पंजाब से नशे का कारोबार खत्म कर देंगे। उस समय उन्होंने पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) के अध्यक्ष का पद संभाला था।2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस



की जीत के बाद अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री बने, लेकिन उनकी पार्टी की सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल में राज्य से नशे की समस्या खत्म नहीं कर सकी।2022 के विधानसभा चुनाव से करीब पांच महीने पहले कांग्रेस नेतृत्व ने अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को जिम्मेदारी सौंप दी थी। इसके बाद अमरिंदर ने कांग्रेस छोड़ दी। सितंबर 2022 में उन्होंने अपनी अलग पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय कर दिया। फिलहाल वह भाजपा में ज्यादा सक्रिय नजर नहीं आते। अब राहुल गांधी की संगरूर रैली पर लौटते हैं। अमरिंदर सिंह के नशे के खिलाफ अभियान शुरू करने के 11 साल बाद भी कांग्रेस में वही वादा गूंज रहा है। रैली में पार्टी के कई नेताओं ने नशे और गैंगस्टरवाद को पंजाब के सामने खड़ी दो बड़ी चुनौतियां बताया।राहुल गांधी ने आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाया कि करीब पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बावजूद वह पंजाब से नशे का कारोबार खत्म करने का अपना चुनावी वादा पूरा नहीं कर पाई है।2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत पार्टी के दूसरे नेता भी यही बात कहते थे। उस समय आप के नेता अपनी रैलियों में अमरिंदर सिंह और कांग्रेस का मजाक उड़ाते थे कि वे सीमावर्ती और संवेदनशील राज्य पंजाब से नशे की समस्या खत्म करने में नाकाम रहे।अब भाजपा भी नशे के खिलाफ अपने अभियान चला रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह साफ कर चुके हैं कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 'नशामुक्त पंजाब' को अपने प्रचार अभियान का मुख्य मुद्दा बनाएगी। उन्होंने 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को 'चिट्टा-मुक्त' बनाने की समयसीमा भी तय की है।

पंजाब में नशे की पुरानी समस्या : पंजाब में नशे का संकट कई साल से बना हुआ है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद)-भाजपा सरकार के दो कार्यकाल (2007-2017) के दौरान यह समस्या और गंभीर हो गई थी। इसके बाद कांग्रेस (2017-2022) और आम आदमी पार्टी की सरकारों के कार्यकाल में भी यह संकट बना रहा। 2014 के लोकसभा चुनाव में अमृतसर से भाजपा के वरिष्ठ नेता अरुण जेटली की हार के बाद शिअद-भाजपा सरकार ने नशे के खिलाफ अभियान शुरू किया था। लेकिन इस अभियान से राज्य में नशे के नेटवर्क पर कोई खास असर नहीं पड़ा। राज्य पुलिस का ध्यान मुख्य रूप से नशा बेचने वालों और छोटे तस्करों को गिरफ्तार करने तथा नशीले पदार्थों की बरामदगी का प्रचार करने पर रहा। आम आदमी पार्टी की सरकार के 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान में भी यही तरीका अपनाया गया है। बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी, बड़ी संख्या में गिरफ्तारियों और दोषियों को सजा मिलने के बावजूद राज्य में नशीले पदार्थों की उपलब्धता कम नहीं हुई है।

सत्ता में रहने वाली पार्टियां अपनी सरकार के दौरान नशे के खिलाफ कार्रवाई का दावा करती रही हैं और इसके लिए पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराती रही हैं। वे समस्या खत्म करने की समयसीमा तय करती हैं और अपनी कोशिशों में प्रगति का दावा भी करती हैं।पंजाब पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि नशे से जुड़े मामलों और गिरफ्तारियों की बड़ी संख्या इस संकट की गंभीरता दिखाती है, न कि यह बताती है कि समस्या का समाधान हो रहा है। उनका कहना है कि राज्य में अब भी 'चिट्टा' (नशीले पदार्थ) और दवाओं के रूप में इस्तेमाल होने वाले अफीम जैसे नशीले पदार्थ आसानी से मिल रहे हैं। इनके कारण ओवरडोज से लोगों की मौतें भी हो रही हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सवाल उठाया, जब हम चेन झपटमारी, वाहन चोरी और दूसरे अपराधों के खिलाफ अभियान चलाते हैं तो जिले में ऐसे अपराधियों की संख्या कम हो जाती है। फिर जब इतनी बड़ी संख्या में नशा बेचने वालों को जेल में डाल दिया गया है, तो उनकी संख्या कम क्यों नहीं हो रही?

पुलिस सूत्रों का कहना है कि नशे की आपूर्ति का पूरा नेटवर्क इस चुनौती की जटिलता को दिखाता है। इसे केवल सरकार की नाकामी बताकर नहीं समझा जा सकता। उनके मुताबिक, पाकिस्तान से सीमा पार होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी के साथ-साथ दूसरे राज्यों से दवाओं के रूप में इस्तेमाल होने वाले नशीले पदार्थों की आपूर्ति भी बढ़ रही है। इनमें भाजपा शासित राज्य भी शामिल हैं।एक अन्य पुलिस अधिकारी का कहना है, नशे की मांग के पीछे बेरोजगारी, सामाजिक परिस्थितियां और लत से जुड़े कई कारण हैं। लगातार बदलती सरकारों के दौरान केवल पुलिस कार्रवाई से इन समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है।

अधिकारियों का कहना है कि संगठित अपराध के नेटवर्क, दूसरे राज्यों से नशे की आपूर्ति, उग्रवाद के दौर से जुड़े पुराने कारण, विदेशों में बसे पंजाबियों के संपर्क और नशे की लत जैसी समस्याओं के लिए केवल मौजूदा सरकार की नीतियों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।सरकारी नशामुक्ति केंद्रों से जुड़े एक डॉक्टर का कहना है, सिर्फ उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने जैसे आर्थिक उपायों से तस्करी के मजबूत नेटवर्क खत्म नहीं होंगे। इसके लिए लगातार सख्त कार्रवाई के साथ-साथ नशामुक्ति और इलाज की सुविधाओं का विस्तार भी जरूरी है।जानकारों का कहना है कि राहुल गांधी का नशे के खिलाफ वादा कितना असरदार होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए कितनी भरोसेमंद और विस्तृत योजना पेश करती है। पंजाब में नशे की समस्या का संबंध गैंगस्टरवाद से भी जुड़ा हुआ है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

विनम्रता से ही निखरता है व्यक्तित्व, घमंड और आडंबर इंसान को बनाते हैं कमजोर

(मुकेश पोपली)

विनम्रता की मिट्टी से किया गया स्नान ही हमें पवित्र मन का मालिक बनाता है। हमारे समाज में ऐसे बहुत से लोग मिल जाएंगे, जिन्होंने न केवल घमंड का आवरण ओढ़ रखा है, बल्कि उनके आचार-व्यवहार में वह आमतौर पर दिखाई भी पड़ता है। हम अगर अपने आसपास झांक कर देखेंगे, तो ऐसा कोई एक व्यक्ति नहीं मिलेगा, बल्कि ढेरों मिलेंगे। चूंकि ऐसे लोग बहुतायत में हैं, इसलिए इनका डर भी फैला रहता है। सरकारी विभागों में ऊंचे ओहदे पर काम करने वाले हों या निजी कंपनियों को चलाने वाले।

चिकित्सालयों, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के प्रबंधन में शामिल हों या राजनीतिक दल में, इस तरह के लोग हर कहीं अपने हाथ में एक चाबुक लेकर बैठे हुए नजर आते हैं। इन लोगों को किसी व्यक्ति की तो दूर, समाज और देश की प्रगति में भी कोई रुचि नहीं होती। उन्हें केवल अपना ही हित पूरा करना होता है और वे महज अपने दायरे में कैद होकर सिर्फ खुद के बारे में सोचते हैं। ऐसे लोग आडंबर रचते हैं और फिर उस आडंबर को हटाने के लिए आगे बढ़ रहे और हिम्मत दिखा रहे लोगों को, उनके परिवार को अपना शिकार बनाते हैं या उन्हें अलग-अलग तरह से परेशान करते हैं।

अगर हम कुछ दशक पहले के यथार्थ उदाहरणों से आगे प्राचीनकाल के इतिहास या लोककथाओं की बात करें, तब भी इस प्रकार के कुटिल लोगों की कमी नहीं थी। इसके लिए हम चाहे भारतीय महाकाव्य पढ़ें या रूसी साहित्य, शेक्सपियर के नाटक पढ़ें या रवींद्रनाथ ठाकुर की रचनाएं, प्रेमचंद की कहानियां पढ़ें या गालिब, मीर, फैज की शायरी, ऐसे पात्र हर जगह हैं और इसीलिए इन पुस्तकों में वे शामिल हैं। यही वजह है कि मनुष्य ने अपना विकास कर लिया है, लेकिन मानवता का विकास नगण्य ही रहा।

वर्तमान में किसी भी परिवार की स्थिति पर गौर किया जाए, उनके मुखिया और अन्य सदस्य खुद को संस्कारवान कहने में नहीं हिचकते। कायदे से देखें, तो इसे अलग से कहना ही उनके असंस्कारी होने का प्रतीक है। स्वयं की प्रशंसा या केवल खूबियों का प्रचार-प्रसार करना, अपने आप को धोखा देने के साथ ही एक सामाजिक अपराध भी है। किसी भी शैक्षणिक योग्यता में उपाधि होती है और हमारे भावी जीवन की वह मुख्य आवश्यकता भी है। शिक्षा से हम अपना अर्थतंत्र विकसित कर सकते हैं। इसके विपरीत संस्कार किसी उपाधि का नाम नहीं है। समाज और परिवार की देखरेख में यह संस्कार फलते-फूलते हैं। संस्कार के लिए गुरु औपचारिक शिक्षा नहीं देते, वे हमारे अध्ययन की दिशा बदल देते हैं। इस प्रकार के अनुभव हम अपने परिवार के बुजुर्गों से भी प्राप्त कर सकते हैं।

बचपन की अवस्था में ही इसके लिए बीज बोया जा सकता है। अभी तो नादान उम्र है, समय आने पर स्वयं ही समझदार हो जाएगा, यह सोच अधूरी है। समय की गति को कोई बांध नहीं सकता। जिस तरह कुछ नया सीखने की कोई उम्र नहीं होती, ठीक उसी तरह संस्कारवान होने का उम्र से कोई संबंध नहीं होता। यह एक सतत प्रक्रिया है और जिस दिन हम बोलना सीखते हैं, उसी दिन से यह प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है। अब अगर कोई यह सोच ले कि उसने सब सीख लिया है, तो यह उसकी नादानी ही है। सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती रहती है।

सीखने के लिए पहली शर्त है विनम्रता। केवल बाहरी पहनावे, शरीर के रंग या बनावट, शक्ति और धनाढ्य स्थिति किसी भी व्यक्ति के पूर्ण परिचय को इंगित नहीं करते। इसलिए इन सबसे यह पता नहीं चलता कि वह कितना विनम्र है। विनम्रता के लिए हमारा व्यवहार, आहार, हमारी वाचालता, हमारा धैर्य, अनुभव, हमारी तर्क क्षमता, हमारा अर्थमोह आदि का स्तर देखा, जांचा और परखा जा सकता है। इन सबसे हमारा व्यक्तित्व सामने आ सकता है और यह व्यक्तित्व ही हमारी विनम्रता का परिचय दे देता है।

अगर इस संबंध में हम सैद्धांतिक रूप की बात करें, तो आडंबर से मुक्त होकर सादगी से जीवन बिताना ही विनम्रता है। धार्मिक और आध्यात्मिक ग्रंथों में बताया गया है कि विनम्र होने की पहली शर्त मानवता की सेवा करना और घमंड से दूर रहना है। अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगना और बहुत बार अपनी कमियों को जान लेने के बाद दूसरों से सलाह लेना भी विनम्रता का प्रतीक ही है। इस प्रकार जो व्यक्ति शालीन हो, कोमल स्वभाव वाला हो, नम्र भाव रखता हो, गुस्से पर काबू करना जानता हो और शिष्टाचारी हो, विनम्र कहलाता है। इसके लिए जो एक सबसे अनिवार्य तत्व है, वह है वैसे व्यक्ति की कद्र करना, जो हमारी कद्र करता हो।

अपने देश को स्वतंत्र बनाने के लिए हमने लाख प्रयत्न किए हों, लेकिन किसी भी काल का कोई भी शासक हिंदुस्तान के प्रति कभी विनम्र नहीं रहा। हमारे कितने ही लोग उनकी चालाकियों और यातनाओं का शिकार बने। हमें जानवरों की तरह समझकर उसी तरह का व्यवहार किया गया, हजारों ने लाठियां और गोलियां खाईं, फिर भी शासकीय विनम्रता दूर-दूर तक दिखाई नहीं दी। यहां तक कि उन्होंने हमारी खनिज संपदा और प्राकृतिक संपत्तियों से अपना घर भरा, हमारी धरोहरों को मिटाने के प्रयास किए।

वर्तमान में भी हमारा देश विकासशील है, न कि विकसित। इसका मुख्य कारण यही है कि आज भी हमारे अनेक नागरिकों के भीतर उनका स्वार्थ बार-बार पनपता है और वे सर्वहित से जुड़ना ही नहीं चाहते। सत्ता के घमंड का अंकुश बेहद खतरनाक होता है, इसे सिरे से खत्म करना होगा। इस दिशा में हम सबको इस तरह से एक होना होगा कि कोई भी दूसरा देश हमें आंख दिखाने की हिम्मत न करे। इसके लिए हमें एक-दूसरे के प्रति विनम्र रहना होगा। विनम्रता की मिट्टी से किया गया स्नान ही हमें पवित्र मन का मालिक बनाता है।

वर्ग पहेली 6266



संकेत: बाएं से दाएं
1. ये एक पत्रकार और राजनेता थे, और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से रायबरेली के पूर्व सांसद जिनका जन्मदिन 12 सितंबर 1912 है (5)
5. हुकुमत, शासनकाल, प्रभुत्व (2)
7. धैर्यशील, समदर्शी, सहिष्णु (5)
10. लखनऊ शहर इस नदी के किनारे बसा है, यह उत्तर भारत की एक प्रमुख नदी है (3)
11. प्रकृति, अदिति, निसर्ग (4)
13. पुरूषोतम मास, अधिकमास (4)
15. गुनाह, दोष, अपराध, त्रुटि (2)
17. धातु पटल, चांदी का पतला पत्तर (3)
19. परिवार का बुजुर्ग, पूर्वज, वयोवृद्ध (3)
21. किसी दूसरे के माथे या ललाट पर तिलक लगाना (3)
22. इस अभिनेत्री ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहसिन खान से विवाह किया था (4)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. उर्दू भाषा के प्रसिद्ध रचनाकार जिनका मूल नाम रघुपति सहाय था (8)
2. प्रतिदिन, नित्य, अहोरात्र (2)
3. निर्देशक रिचर्ड एटनबरो की ऐतिहासिक फिल्म जो भारत के महान व्यक्ति के जीवन पर बनी है (1982)(2)
4. फिल्म अभिनेता और टीवी के स्टॉर प्रोड्यूसर रहे (1985-1992)(6)
5. यह द्वीप इंडोनिशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप है (2)
8. किसी वस्तु के निर्माण का खर्च (3)
9. वह बाल जिसके पिता का निधन हो चुका हो (3)
12. संख्या में दस कोटिक (5)
14. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी)(2)
16. सद्गति प्राप्त करवाना (3)
18. आश्रय, शरण, छत्रछाया (3)
20. नमकीन, लवणीय, लावणिक, लोना (3)

वर्ग पहेली 6265 का हल

शि	का	गो		मा	ल	दी	व
व		धी	प	ल		न	र
तां	ता		र	वा	ना		मा
ड	म	रू		ह		म	ला
व		पा	ल	क		क	
		गां	व		ढ़ा	र	का
पं		गु		दी	प	ध्व	ज
गु	ग	ली			र	ज	

दिवाली पर बंधनवार खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, वास्तु गुरु से जानें कैसा तोरण रहेगा शुभ

(मनीष पाण्डेय)

दिवाली पर मेन गेट पर सही बंधनवार यानी तोरण लगाना बेहद ही शुभ माना जाता है। यह सिर्फ सजावट के लिए ही नहीं, बाल्की घर में पॉजीटिव एनर्जी और मां लक्ष्मी के स्वागत का सबसे पहला वैदिक नियम है। वास्तु गुरु मान्या के मुताबिक, मेन गेट हमारे घर का मुख्य ऊर्जा स्रोत होता है और यहां की गई एक छोटी सी गलती घर के वास्तु संतुलन को बिगाड़ सकती है।

दिवाली के त्योहार को सुख, समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। दीवाली से पहले मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए पूरे घर की साफ-सफाई की जाती है और रंग-बिरंगी लाइटों और दीपों से सजाया जाता है। दिवाली की सजावट में घर के मुख्य द्वार पर बंधनवार यानी तोरण लगाने का विशेष महत्व माना जाता है। वास्तु शास्त्र में घर के मेन गेट को घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। घर के इसी हिस्से से पॉजीटिव एनर्जी और मां लक्ष्मी का आगमन होता है। हालांकि, कई बार लोग अनजाने में गलत बंधनवार लगा देते हैं, जो घर में वास्तु दोष का कारण बन सकता है। वास्तु गुरु मान्या से जानते हैं कि इस दिवाली घर के मेन गेट पर किस तरह का तोरण लगाना आपके लिए भाग्यशाली रहेगा और किन गलतियों से आपको बचना चाहिए।

तोरण लगते समय भूलकर भी ना करें ये गलती : प्लास्टिक या सिंथेटिक के तोरण- घर के मेन गेट पर प्लास्टिक के फूलों से बने बंधनवार को लगाने से बचें। ये देखने में सुंदर लग सकते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में इन्हें निर्जीव और नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने वाला माना जाता है। काले धागे, लोहे के तार या तीखे किनारों वाले तोरण को दरवाजे पर लगाने से बचना चाहिए।

सूखे और मुरझाए पत्तों का तोरण : अगर आप घर में तोरण बनाने की सोच रहे हैं, तो इसे हमेशा ताजे पत्तों और फूलों से बनाने की कोशिश करें। वास्तु गुरु मान्या कहती हैं कि सुखे पत्तों से बना तोरण घर में ठहराव और दरिद्रता को आकर्षित करने का काम करता है। अगर पत्ते सूख जाएं तो तोरण को हटा देना चाहिए।

भगवान की तस्वीर वाले तोरण : बाजार में बिकने वाले ज्यादातर तोरण पर देवी-देवताओं के चित्र बने होते हैं। वास्तु में ऐसे बंधनवार को घर के मेन गेट पर लगाना शुभ नहीं माना जाता है। दरवाजा खोलते-बंद करते समय या आते-जाते समय उनका अपमान होने का खतरा रहता है। वहीं, अगर तोरण में कौड़ी, मोती या घंटी टूटी हुई हो, तो उसे बिल्कुल भी नहीं लगाना चाहिए।

तोरण लगाने की सही जगह : तोरण को दरवाजे पर इतना नीचे ना लगाएं कि आते-जाते समय लोगों के सिर से टकराएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में रुकावट खड़ी हो सकती है। बंधनवार लगाने वाले दरवाजे के ठीक नीचे या आस-पास जूते-चप्पल और कूड़ेदान बिल्कुल भी न रखें।

घर में कैसा तोरण लगाना चाहिए? : आम और अशोक के पत्ते का तोरण- आम और अशोक के ताजे पत्तों से बना बंधनवार सबसे शुभ माना जाता है। इनकी हल्की सुगंध और रंग घर में नकारात्मक शक्तियों को प्रवेश करने से रोकते हैं। आम या अशोक के पत्तों के साथ ताजे गेंदे के फूलों का तोरण लगाने से घर में खुशहाली आती है।

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए अवसर लेकर आ सकता है। करियर में अचानक कोई अच्छी खबर मिलने या कामकाज में तेजी से प्रगति होने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि, कुछ लोग आपकी सफलता से असहज होकर आपके रास्ते में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं।

वृष

आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई काम बन सकते हैं। जिस काम को लेकर आप लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं, उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। कारोबार करने वालों के लिए कोई नई योजना शुरू करने या अपने काम को आगे बढ़ाने का अच्छा अवसर मिल सकता है।

मिथुन

आज आपकी प्रतिभा और मेहनत लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। नई ऊर्जा और उत्साह के साथ किए गए प्रयास कार्यक्षेत्र में आपको अलग पहचान दिलाएंगे। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं और आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ नए कदम उठा सकते हैं।

कर्क

आज आपके जीवन में सुख-सुविधाओं के साथ पारिवारिक खुशियां भी बढ़ सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से मन को सुकून मिलेगा और महत्वपूर्ण फैसले लेने में भी मदद मिलेगी। यदि पारिवारिक कारोबार में लंबे समय से किसी बात को लेकर नाराजगी या मतभेद चल रहे हैं।

सिंह

आज का दिन सामान्य रह सकता है, लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको विशेष सतर्कता बरतनी होगी। कुछ लोग आपके काम को लेकर गलतफहमियां पैदा करने या आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए अपने कामकाज में पारदर्शिता बनाए रखें और हर जिम्मेदारी को ईमानदारी से पूरा करें।

कन्या

आज कुछ ऐसे खर्च सामने आ सकते हैं, जिन्हें टालना आसान नहीं होगा।व्यावहारिक सोच आपको आर्थिक मामलों में सही निर्णय लेने में मदद करेगी। महत्वपूर्ण फैसले लेने की आपकी क्षमता मजबूत रहेगी। पारिवारिक विषय पर निर्णय लेने का अवसर मिल सकता है।

तुला

आज आपको अपने कामकाज और निजी जीवन में संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी। मन में कुछ उलझनें बनी रह सकती हैं, जिसके कारण किसी निर्णय पर पहुंचने में परेशानी महसूस हो सकती है। ऐसी स्थिति में जल्दबाजी करने के बजाय थोड़ा समय लेकर हर पहलू पर विचार करें।

धनु

आज परिस्थितियां आपके पक्ष में होती नजर आ सकती हैं। नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे लोगों को सकारात्मक खबर मिलने की संभावना है, जबकि रोजगार की तलाश कर रहे लोगों के लिए भी नए अवसर सामने आ सकते हैं। आय के नए स्रोत बनने से आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी।

वृश्चिक

आज का दिन खुशियों, उपलब्धियों और संतोष का अनुभव कराने वाला हो सकता है। पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतना जरूरी होगा। बड़ा आर्थिक फैसला लेने से पहले सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करें। नौकरी तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर मिल सकता है।

मकर

आज आपके मान-सम्मान, प्रभाव और आत्मविश्वास में वृद्धि होने के संकेत हैं। आपके नए प्रयास सफल हो सकते हैं। यदि कोई काम काफी समय से अटका हुआ है, तो उसमें प्रगति होने से मन को राहत मिलेगी। हालांकि, परिवार की ओर भी ध्यान देना जरूरी रहेगा। माता जी की सेहत को लेकर सतर्क रहें और उनकी जरूरतों का ध्यान रखें।

मीन

आज आध्यात्मिक गतिविधियों और अच्छे कार्यों के माध्यम से आपको संतोष और सम्मान मिल सकता है। धार्मिक आयोजन में शामिल होने, पूजा-पाठ करने या किसी जरूरतमंद की सहायता करने का अवसर मिले, तो मन से भाग लें। किसी महत्वपूर्ण मामले में पिताजी की सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

एनसीएलटी ने एसबीआई के 12,668 करोड़ के बकाया मामले में वेणुगोपाल धूत को घोषित किया दिवालिया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की 12,668



करोड़ रुपए के बकाये के मामले में दायर याचिका स्वीकार कर ली और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के पूर्व प्रवर्तक एवं निदेशक वेणुगोपाल नंदलाल धूत को दिवालिया घोषित कर दिया है। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने धूत के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया संचालित करने के लिए एक दिवाला न्यासी भी नियुक्त किया है। धूत ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज की ओर से एसबीआई और उसके पूर्व सहयोगी बैंकों से ली गई ऋण सुविधाओं के लिए व्यक्तिगत गारंटी दी थी। इन सहयोगी बैंकों का बाद में एसबीआई में विलय हो गया था। एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने बृहस्पतिवार को पारित आदेश में कहा, यहां व्यक्तिगत गारंटर वेणुगोपाल नंदलाल धूत को दिवालिया घोषित किया जाता है। एनसीएलटी ने दिवाला न्यासी को निर्देश दिया कि वह धूत के लेनदारों से दावे आमंत्रित करने के लिए सार्वजनिक सूचना जारी करे। उसने कहा कि दिवालिया (धूत) की संपत्ति उनके लेनदारों के बीच बांटी जाएगी। धूत को दिवाला कार्यवाही शुरू होने की तारीख से सात दिन के भीतर अपनी वित्तीय स्थिति का विवरण दिवाला न्यासी को सौंपने का निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया, दिवालिया (धूत) इस आदेश की तारीख यानी दिवाला प्रक्रिया शुरू होने की तारीख से सात दिन के भीतर निर्धारित प्रारूप में अपनी वित्तीय स्थिति का विवरण दिवाला न्यासी को सौंपेंगे। पीठ ने कहा कि दिवाला न्यासी 90 दिन के भीतर न्यायाधिकरण और लेनदारों की समिति को प्रारंभिक रिपोर्ट भी सौंपेगा। इसके बाद उसे हर तिमाही में प्रगति रिपोर्ट देनी होगी।
इस पीठ में न्यायिक सदस्य विनय गोयल और तकनीकी सदस्य चरणजीत सिंह गुलाटी शामिल थे।

डबल मुनाफे के बाद टाइटन शेयर ने पकड़ी रफ्तार, 6150 तक जा सकता है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शानदार तिमाही नतीजे के बाद टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन कंपनी लिमिटेड के शेयर में जबरदस्त उछाल आया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को टाइटन कंपनी लिमिटेड के शेयर 4,831.55 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले करीब 4 पर्सेंट उछलकर 5,000 रुपये के स्तर के पार कर गया। इसी के साथ शेयर अपने 52 हफ्ते हाई के करीब आ गया है। बता दें कि शेयर के 52 हफ्ते का हाई 5,187.45 रुपये है। शेयर का यह भाव अगस्त 2026 में था। शेयर के फ्यूचर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश भी हैं। आइए शेयर के टारगेट प्राइस और तिमाही नतीजे के बारे में जान लेते हैं। ब्रोकरेज नोमुरा ने टाइटन के शेयर पर अपनी 'खरीदें' रेटिंग को बरकरार रखा है और इसका टारगेट प्राइस 5425 प्रति शेयर से बढ़ाकर 6150 प्रति शेयर कर दिया है। यह इस शेयर के लिए अब तक का सबसे ऊंचा टारगेट प्राइस है। इसके अलावा, जेफरीज ने टाइटन के शेयर पर अपनी रेटिंग को अपग्रेड करके 'बाय' की रेटिंग दी है और इसका टारगेट प्राइस बढ़ाकर 6,000 कर दिया है। वहीं, क्रेडिट सुइस और सिटी ने भी अपनी 'बाय' रेटिंग बरकरार रखी है। जेपी मॉर्गन की रेटिंग 'न्यूट्रल' है। चालू वित्त वर्ष की जुलाई- सितंबर तिमाही में टाइटन कंपनी लिमिटेड का मुनाफा दोगुने से अधिक होकर 2,393 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 1,120 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। टाइटन ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में परिचालन से कंपनी का राजस्व 23.54 प्रतिशत बढ़कर 20,337 करोड़ रुपये हो गया।

अडानी की झोली में आएगी एक और विदेशी कंपनी

यूरोप की इवोस के साथ 27 हजार करोड में होगी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप अपने बिजनेस का विस्तार करने के लिए लगातार दूसरी कंपनियों का अधिग्रहण कर रहा है। अब अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन यूरोप की लिक्विड स्टोरेज कंपनी इवोस बीवी का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि यह सौदा 2.88 अरब डॉलर (करीब 2.56 अरब यूरो यानी करीब 27 हजार करोड़ रुपये) के एंटरप्राइज वैल्यू पर होगा। यह पूरी तरह नकद में होने वाला सौदा है। इवोस की वैल्यू 1.18 अरब यूरो आंकी गई है। यह सौदा कंपनी के साल 2025 के श्रङ्क/ईबीआईटीडीए के 11.7 गुना पर हुआ है। अधिग्रहण के लिए अडानी पोर्ट्स कर्ज के जरिए रकम जुटाएगी। हालांकि इस सौदे को नियामकीय मंजूरी और दूसरी जरूरी मंजूरियां मिलना बाकी है। इसके अलावा कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की जाएगी।

कैलेंडर ईयर 2025 में 392 मिलियन यूरो का रेवेन्यू दर्ज किया था। इस दौरान कंपनी का ईबीआईटीडीए 219 मिलियन यूरो रहा। कंपनी का ईबीआईटीडीए मार्जिन 56% था। अडानी पोर्ट्स के वित्तीय आंकड़ों के आधार पर दोनों कंपनियों का संयुक्त नेट डेट-टू-ईबीआईटीडीए अनुपात 2.76 गुना रहने का अनुमान है। इसके वित्त वर्ष 2027 तक घटकर करीब 2.5 गुना होने की उम्मीद है।

इवोस का अधिग्रहण कंपनी के 1 अरब टन कार्गो संभालने के लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम है। इससे कंपनी को दुनिया के प्रमुख लिक्विड स्टोरेज और ऊर्जा केंद्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस सौदे से कंपनी को यूरोप के ऊर्जा बाजार में अपनी जगह मजबूत करने और वहां स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ते



बदलाव में भागीदारी का मौका मिलेगा।

इवोस यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी स्वतंत्र लिक्विड स्टोरेज कंपनी है। यह कंपनी पेट्रोल, डीजल, समुद्री जहाजों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन और विमान ईंधन के भंडारण का काम करती है। इसके अलावा कंपनी सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल , बायोफ्यूल, मेथनॉल और बायोएथेनॉल जैसे नए ईंधनों से जुड़े कारोबार में भी मौजूद है। कंपनी के पास नीदरलैंड, जर्मनी, स्पेन, बेल्जियम और माल्टा में बंदरगाहों पर बने टर्मिनल हैं। इनकी कुल स्टोरेज क्षमता 63 लाख क्यूबिक मीटर है। कंपनी ने साल 2025 में 3.7 करोड़ मीट्रिक टन सामान का संचालन किया था। अडानी ग्रुप ने साल 2014 से लेकर अब तक कई बड़ी कंपनियों और संपत्तियों का किया अधिग्रहण है।

पोर्ट और लॉजिस्टिक्स में बढ़ाया नेटवर्क

अडानी ग्रुप का पारंपरिक कारोबार पोर्ट और लॉजिस्टिक्स से जुड़ा रहा है। इस क्षेत्र में भी समूह ने कई बड़े अधिग्रहण किए हैं। आंध्र प्रदेश के गंगावरम पोर्ट और कृष्णापट्टनम पोर्ट को समूह ने अपने पोर्ट नेटवर्क में शामिल किया। इसके अलावा, समुद्री सेवाएं देने वाली कंपनी ओशन स्पार्कल का भी अधिग्रहण किया गया। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट सेक्टर में भी तेजी से विस्तार किया। लक्ष्य ग्रुप के साथ हुए सौदे के जरिए मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नियंत्रण हासिल किया गया। इसके अलावा नवी मुंबई एयरपोर्ट परियोजना में भी समूह की बड़ी हिस्सेदारी है। समूह को अहमदाबाद, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट के संचालन की जिम्मेदारी भी मिली। इन एयरपोर्ट को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत लीज पर लिया गया था। अडानी ग्रुप ने बिजली और ऊर्जा कारोबार में भी अधिग्रहण के जरिए अपनी मौजूदगी बढ़ाई। दिसंबर 2017 में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पावर ट्रांसमिशन कारोबार से जुड़ी संपत्तियों के अधिग्रहण का सौदा किया गया था। इस सौदे की कीमत करीब 18,800 करोड़ रुपये बताई गई थी। मीडिया सेक्टर में अडानी ग्रुप ने साल 2022 में एएमजी मीडिया नेटवर्क्स के जरिए एनडीटीवी का अधिग्रहण किया। इससे अडानी ग्रुप ने मीडिया कारोबार में भी कदम रखा।

वाहन खुदरा बिक्री अक्टूबर में 23.8 प्रतिशत घटकर 31.72 लाख इकाई रही: फाडा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 23.8 प्रतिशत घटकर 31.72 लाख से अधिक इकाई रह गई। उद्योग निकाय फाडा ने यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, बिक्री में यह गिरावट इसलिए भी रही क्योंकि इस साल धनतेरस और दिवाली नवंबर में पड़ रहे हैं, जबकि पिछले साल नवरात्र तथा दिवाली दोनों अक्टूबर में थे। इसके अलावा, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद पिछले साल मांग में आई तेज उछाल का भी असर था। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में 28.35 प्रतिशत घटकर 23.21 लाख इकाई रही, जबकि यात्री वाहनों की बिक्री 4.23 प्रतिशत फिसलकर 5.08 लाख इकाई पर आ गई। फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा, अक्टूबर भारत में साल का सबसे बड़ा खुदरा बिक्री वाला महीना होता है और इस साल इसके आंकड़ों को त्योहारों के कैलेंडर को ध्यान में रखकर देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सालाना आधार पर आई गिरावट लगभग पूरी तरह आंकड़ों में दिखने वाला असर है। गिरिधर ने कहा, पिछले साल अक्टूबर असाधारण महीना था, जब नवरात्र और दीपावली दोनों एक साथ पड़े थे। इसके अलावा, 22 सितंबर, 2025 को जीएसटी दरों में कटौती के बाद दबी हुई मांग भी बाजार में आई थी।

मृत कर्मचारी के जीपीएफ पैसा पर पहला हक परिवार का

नई दिल्ली, एजेंसी। जीपीएफ यानी कि जनरल प्रोविडेंट फंड सरकार की एक पेंशन योजना है। इसे आसान भाषा में समझें तो यह पुरानी पेंशन योजना का पालन करने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए एक रिटायरमेंट योजना है। इस योजना की खास बात यह है कि इसकी सुविधा एनपीएस और यूपीएस से जुड़े कर्मचारियों को नहीं मिलती है। अब केंद्र सरकार ने जीपीएफ को लेकर एक नियम की जानकारी दी है। आमतौर पर देखा जाता था कि सरकारी कर्मचारियों की असामयिक मृत्यु के बाद उनके प्रोविडेंट फंड के पैसों को लेकर विवाद हो जाता था। सवाल यह होता था कि यह पैसा बाहरी नॉमिनी को दिया जाएगा या उनकी फैमिली को। अब इस झंझट को सरकार ने खत्म कर दिया है। आइए जानते हैं पूरी खबर।

2.5 ट्रिलियन स्वाहा! अमेरिकी शेयर बाजार में हाहाकार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट देखने को मिली। देश में हाल में हुए मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की जीत के कारण निवेशकों को आशंका है कि एआई पर हो रहे भारी निवेश पर ब्रेक लग सकता है। इससे टेक शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। नैसडैक में कारोबार के दौरान 6.4 फीसदी फिसल गया जो 2020 में कोरोना काल के बाद इसमें एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट है। इस गिरावट से निवेशकों के 2.5 ट्रिलियन डॉलर स्वाहा हो गए। नैसडैक अंत में 5.54 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। यह 6 अक्टूबर के हाई से 10 फीसदी नीचे आ चुका है। एसएंडपी 500 और डाउ जोंस ने भी अप्रैल 2025 के बाद अपनी सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की। अमेरिकी शेयर बाजार में आई गिरावट का असर ग्लोबल मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है। साउथ कोरिया का मार्केट खुलते ही करीब 9 फीसदी गिर गया और कोस्पी इंडेक्स पर करीब 20 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी।

इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शेयर बाजार में आई भारी गिरावट के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'रिजल्ट के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आई है। यह इतिहास की बड़ी गिरावटों में से एक है। यह देखना दुःखद है। यहां तक पहुंचने के लिए हमने काफी मेहनत की थी और फिर यह



सबकुछ। आपका 401 (के) ड्रॉप हो गया। याद रखिए इसके लिए रिपब्लिकन नहीं, डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं।'

अमेरिका में 401(के) एम्प्लॉयर द्वारा प्रायोजित एक रिटायरमेंट सेविंग्स स्कीम है। इसका नाम 'इंटरनल रेवेन्यू कोड' के सेक्शन 401(के) के नाम पर रखा गया है। यह वर्कर्स को अपनी सैलरी का एक हिस्सा टैक्स कटने से पहले या बाद में बचाने और निवेश करने की सुविधा देती है। इससे पहले बुधवार को यूएस मार्केट में तेजी आई थी। लेकिन गुरुवार की गिरावट ने उस पर पानी फेर दिया। रिजल्ट के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आई है। यह इतिहास की बड़ी गिरावटों में से एक है। यह देखना दुःखद है। यहां तक पहुंचने के लिए हमने काफी मेहनत की थी और फिर यह सबकुछ। आपका 401 (के) ड्रॉप हो गया। याद रखिए इसके लिए रिपब्लिकन नहीं, डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं। मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की बंपर जीत के बाद भारी बिकवाली देखने को मिली। डेमोक्रेट्स ने कई ऐसे राज्यों में भी जीत हासिल की है जहां डेटा सेंटर्स के खिलाफ विरोध बढ़ रहा है। निवेशकों को आशंका है कि आने वाले दिनों में एआई बूम की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इससे एआई से जुड़े शेयरों में भारी गिरावट आई। एनवीडिया को शेयर 9.3 फीसदी लुढ़क गया और इसके साथ ही उसने इस साल की पूरी कमाई एक झटके में गंवा दी। एलन मस्क की टेस्ला और स्पेसएक्स में भी क्रमशः 11 फीसदी और 9 फीसदी गिरावट आई।

ब्लिंकिट एंबुलेंस फ्री यूज करने में ग्लानि होती है जल्दी ही कर सकेंगे 'स्वैच्छिक भुगतान'

नई दिल्ली , एजेंसी। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकइट की एंबुलेंस सेवा इन दिनों चर्चा में है। चर्चा की वजह ज़ोमैटो और ब्लिंकइट के फाउंडर दीपिंदर गोयल का एक ट्वीट है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर गुरुवार को किए गए इस पोस्ट में उन्होंने कहा है कि अब ब्लिंकिट की सभी एंबुलेंस सेवाएं फ्री नहीं होंगी। क्योंकि लोग इस सेवा का उपयोग कम दुरुपयोग ज्यादा करते हैं। इसके बाद एक व्यक्ति ने कहा कि वह उनकी इमरजेंसी सर्विस का यूज करके प्रभावित हैं। वह इसके लिए भी पेमेंट करना चाहते हैं, लेकिन वह कंट्रीब्यूट नहीं कर पा रहे हैं। गुरुवार, 5 नवंबर को दिन में सवा बारह बजे गोयल ने एक ट्वीट का जवाब दिया था। इस पोस्ट में कहा गया था कि ब्लिंकिट एंबुलेंस ने उनकी ग्रैंडमा का जीवन बचा लिया। वह लिखते हैं कि महज 8 मिनट में जिस तरह से उनका एंबुलेंस आया और त्वरित प्रोफेशनल सर्विस मिली, इस तरह की सेवा को किसी हॉस्पिटल के एंबुलेंस में भी नहीं मिलती। स्पर्श सहगल के इसी पोस्ट पर दीपिंदर गोयल ने लंबा-चौड़ा जवाब लिखा। उन्होंने लिखा 'मैंने ब्लिंकिट एंबुलेंस सेवा की शुरुआत सेवा भाव से की थी। बीते दो साल के दौरान इस सेवा का लाभ करीब 42,000 केसेज में उठाया गया। उनमें से महज 20,000 केसेज ही इमरजेंसी थे। बांकी रूटीन चेक-अप, हॉस्पिटल विजिट, अस्पताल से घर लौटने वाले मरीज थे। ऐसे मरीज आराम से उबर या किसी अन्य प्राइवेट ट्रांसपोर्ट का लाभ ले सकते थे। उनके लिए फुल्ली इक्विप्ड एंबुलेंस की कोई आवश्यकता नहीं थी। इसलिए अब सिर्फ इमरजेंसी ट्रांसफर ही फ्री होगी। नॉन-इमरजेंसी ट्रांसफर के लिए ढाई हजार रुपये चार्ज किए जाएंगे। वह आगे लिखते हैं कि पेड एंबुलेंस सर्विस से जो पैसे मिलेंगे, वह कंपनी की धर्मार्थ संस्था इंटरनल फाउंडेशन को दे दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यही संस्था ब्लिंकिट एंबुलेंस का संचालन करती है।

एलन मस्क ने एक दिन में गंवा दी 9% से ज्यादा दौलत, अमीरों की लिस्ट में ऊपर चढ़े मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट आई। निवेशकों को आशंका है कि मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की भारी जीत के कारण एआई पर हो रहे खर्च पर लगाम लग सकती है। इससे बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली। इस गिरावट के कारण दुनिया के टॉप 10 अमीरों की नेटवर्थ भी फिसल गई। सबसे ज्यादा झटका एलन मस्क को लगा। दुनिया के सबसे बड़े रईस की नेटवर्थ एक झटके में 9 फीसदी से ज्यादा गिर गई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में 79.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 785 अरब डॉलर रह गई है। मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का शेयर गुरुवार को 9.05 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि टेस्ला में 10.77 फीसदी गिरावट आई। वैसे इस साल मस्क की नेटवर्थ में 312 अरब डॉलर की तेजी आई है।



चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के शेयरों में भी भारी गिरावट आई। इससे कंपनी के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग की नेटवर्थ 15.1 अरब की गिरावट के साथ 151 अरब डॉलर रह गई और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर फिसल गए। डेल कॉरपोरेशन के माइकल डेल ने 19.4 अरब डॉलर गंवा दिए और उनकी नेटवर्थ 190 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस ने 4.99 अरब डॉलर गंवाए जबकि लैरी पेज को 4.24 अरब डॉलर का झटका लगा। इसी तरह सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ 3.88 अरब डॉलर कम हो गई जबकि फेसबुक के मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ में 8.41 अरब डॉलर की गिरावट आई। टॉप 10 रईसों में शामिल वॉरेन बफे ने 2.26 अरब डॉलर और लैरी एलिसन ने 10.1 अरब डॉलर गंवाए। इस बीच भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी तेजी रही। इससे भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की नेटवर्थ में 1.12 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 117 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया में 18वें नंबर पर हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 51 करोड़ की तेजी के साथ 87.3 अरब पहुंच गई और वह अमीरों की लिस्ट में एक स्थान चढ़कर 22वें नंबर पर आ गए।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर रेलवे
रोजगार सूचना सं. आरआरसी /एनआर 03/2026/एक्ट अपरेंटिस
सांकेतिक सूचना
आरआरसी वेबसाइट: www.rrcnr.org
उत्तर रेलवे में वर्ष 2026–27 हेतु विभिन्न मंडलों / इकाइयों / कार्यालयों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अपरेंटिस अधिनियम 1961 के तहत एक्ट अपरेंटिस को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 4651 के स्लॉट्स के लिए योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

महत्वपूर्ण तिथियाँ	
आरआरसी वेबसाइट पर विस्तृत अधिसूचना प्रकाशन की तिथि	06.11.2026
ऑनलाइन आवेदन करने की आरंभिक तिथि	11.11.2026
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि और समय	11.12.2026 at 23:59 hrs.
मेरिट जारी करने की तिथि	February 2027

3911/26 अध्यक्ष / आरआरसी
"जालसाजों, दलालों, नौकरी दिलाने वालों और ठगों से सावधान रहें"

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना
वर्कशॉप इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (आई/सी) उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, यमुनानगर, हरियाणा–135002, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से केवल निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से ई–निविदाएं आमंत्रित करता है :–

कार्य का नाम	जगाधरी वर्कशॉप के प्रशासनिक भवन में IoT आधारित वायरलेस ऑक्यूपेंसी सेंसर का प्रावधान।		
निविदा प्रकार	खुला	बोली प्रणाली	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा विक्रय समापन तिथि	30.11.2026 प्रातः 11:30 बजे	निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय	06.11.2026
पूर्व–बोली आवश्यक है	नहीं	आज तक प्री–बिड क्वेरी	ना
विज्ञापन मूल्य	रु. 22,77,282/- सभी कर जीएसटी आदि सहित।	निविदा अनुभाग	टेंडर एवं वर्क्स / इलेक्ट्रिकल शाखा जगाधरी वर्कशॉप
अग्रिम धन	रु. 45,600/-	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा दस्तावेज लागत	Nil (अप्रैल 2022 के भाग–I खंड संख्या 3 के अनुसार)	समापन की अवधि	90 दिन
बोली आरंभ तिथि	16.11.2026	बोली समाप्ति तिथि	30.11.2026 प्रातः 11:30 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	उसके बाद किसी भी समय निविदा को बंद किया जा सकता है। निविदाकर्ताओं को उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है। निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोलने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है।		
वेबसाइट	www.ireps.gov.in पर जाएं		

56/डब्ल्यू/इलेक्ट/25-26/T/06/RT वायरलेस ऑक्यूपेंसी सेंसर
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3894/26

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
विज्ञापन सं. R&P/323/2026 दिनांक : 19.10.2026
दिल्ली विश्वविद्यालय में वरिष्ठ सहायक एवं सहायक के पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित आवेदन प्रपत्र में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 09.11.2026 अथवा रोजगार समाचार में विज्ञापन प्रकाशित होने की तिथि से दो सप्ताह के भीतर, इनमें से जो भी बाद में हो, निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in पर जाएँ तथा "कार्य with DU" शीर्षक के अंतर्गत "Advertisement - Departments" पर क्लिक करें।
किसी भी परिशिष्ट/शुद्धिपत्र को केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही अपलोड किया जाएगा।
CBC 21231/11/0018/2627 कुलसचिव

उत्तर रेलवे
शुद्धिपत्र (Corrigendum)
निविदा सूचना संख्या 04-SnT-PROJ-UMB-2026-27 (खुली निविदा) के संदर्भ में, जम्मू मंडल में 20,000 से अधिक एवं 50,000 से कम TVU वाले 12 (नॉन–इंटरलॉक्ड) समपार फाटकों के इंटरलॉकिंग संबंधी सिग्नल एवं दूरसंचार कार्य के लिए निम्नलिखित संशोधन अधिसूचित किए जाते हैं:
1. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 24.11.2026 को 11:30 बजे से बढ़ाकर 26.11.2026 को 11:30 बजे कर दिया गया है।
2. बोली प्रारंभ करने की तिथि 10.11.2026 से संशोधित कर 12.11.2026 कर दी गई है।
निविदा की अन्य सभी शर्तें एवं नियम यथावत रहेंगे।
नोट: विस्तृत जानकारी के लिए कृपया IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉगिन करें।
सूचना संख्या NIT-04-SnT-PROJ-UMB-2026-27 दिनांक: 03.11.2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3891/26

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना संख्या ETRU-T-20-2026-27
वरि. मंडल विद्युत अभियंता / क.वि. / उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–टेंडरिंग के माध्यम से निविदाये आमंत्रित करते है। इन निविदाओ को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड किया जा सकता है। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा बंद / खुलने की तिथि	लगभग लागत	टेण्डर फॉर्म की कीमत
1	ETRU-T-20-2026-27	अम्बाला मंडल के अंतर्गत कालका, लाल कलां एवं ऊना हिमाचल स्थित उपखण्डन एवं समानान्तर पोस्ट (SSP) तथा समराला, चुरारू टकारला एवं भटिण्डा (बीकानेर साइड बाउंड्री पोस्ट) स्थित स्विचिंग पोस्ट (SP) पर पुराने / अप्रचलित रिमोट टर्मिनल यूनिट (RTU) के स्थान पर नई RTU की क्षमता वृद्धि एवं स्थापना का हेतु कार्य।	30.11.2026	₹ 1,97,87,927.53/-	Downloading throught IREPS portal- NIL,(रूपये) 5,000/- Sr.DEE/TRD/ UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए

धरोहर राशि	रू.3,95,800/–	कार्य पूरा करने की अवधि	06 महीने	वैधता अवधि	60 दिन

1. निविदाकार को सभी जरुरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। 2. निविदाकार के पास ई–निविदा में भाग लेने के लिए क्लास-III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। 3. कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। 4. कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागु हैं एवं इस प्रकार है: "Railway Board/RDSO Guideline for eligibility criteria to be followed" OR "Interfacing of numerical relays to SCADA system through serial communication port based on IEC Protocol-" 5. टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाये। संख्या: ETRU-T-20-2026-27 दिनांक: 06.11.2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3901/26

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI DEPARTMENT
"Notice Inviting e-tender"
The Executive Engineer Jal Shakti Vibhag Division Nalagarh invites online tenders on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors for the following work (s) through e-tendering process:-

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Stipulated Time Limit	Cost of tender Forms
1	Name of Work: - Providing LIS to village Khateta Johri in GP Maan in Tehsil Arki District Solan HP (Sub Head Construction of pump House including electrical works, construction of Sumpwell 50000 litrs capacity, Main Storage Tank MDT 50000 liters capacity, intake well, Laying jointing testing of GMS pipe in rising main conforming to IS 1239 Part-I of 150 mm dia laying Jointing and testing of GMS Pipe conforming to IS-1239 Part-1 of dia 125mm MG and laying jointing and testing of HDPE pipe conforming to IS 4984-2016 in distribution system construction of field out let assemblies Supply erection and testing of submersible and centrifugal pumping machinery along with allied accessories and construction of retaining wall and boundary wall around the pump house).	10211872/-	177200/-	One Year	5000/-

1 Last date of filing / uploading the tender through e-tendering: - 16-11-2026 upto 11:00 AM. The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website www.hpiph.org.
HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK
Executive Engineer, JSV Divn.Nalagarh, District Solan (HP).
R.No. 4599/2026-2027



सर्दियों में खाएं ये फूड्स, हार्ट अटैक का खतरा होगा कम

सर्दियों में हार्ट अटैक के खतरे से बचने के लिए आप मछली,संतरा, अखरोट, लहसुन जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में दिल का खास ख्याल रखना पड़ता है। दरअसल ठंड में हार्ट अटैक के मामले में इजाफा हो जाता है। ठंड के मौसम में ब्लड वेसल्स सिकुड़ने लगती है जिसकी वजह से ब्लड का सर्कुलेशन कम हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। वहीं जिन लोगों की लाइफ स्टाइल पहले से ही खराब होती है उनके दिल पर ज्यादा खतरा होता है। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आप अपने दिल को सर्दियों में हल्दी बनाए रखें तो हम आपको कुछ खाद्य पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं जिसे डाइट में शामिल करने से आपके हार्ट को फायदा होगा बीपी कंट्रोल में रहेगी।

अखरोट



सर्दियों के मौसम में आपको ड्राई फ्रूट जैसे अखरोट को डाइट में शामिल करना चाहिए, इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं, इससे ब्लड वेसेल्स की सेहत बनी रहती है। यह अल्फा लिनोलेनिक एसिड का समृद्ध स्रोत है जो हृदय सेहत में सुधार करते हैं।

आंवला

सर्दियों में आपको विटामिन सी से भरपूर आंवला का सेवन भी करना चाहिए। यह एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भी भरपूर होता है, जो हार्ट हेल्थ को सुधारने में मदद कर सकता है। इससे ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

लहसुन



लहसुन को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। इसमें एलिसिन नामक कंपाउंड होता है, जो ब्लड प्रेशर को कम कर मदद करता है, ब्लड वेसल्स को हेल्दी बनाता है, जिससे दिल की सेहत को सपोर्ट मिलता है। इससे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है।

मछली

अगर आप नॉनवेज लवर हैं तो आपको ठंड में मछली खाना चाहिए। इसमें कार्ब्स की मात्रा कम और ओमेगा 3 फैटी एसिड की मात्रा ज्यादा होती है। यह आपके हार्ट को फायदा पहुंचता है।

संतरा

विटामिन सी से भरपूर संतरे का सेवन जरूर करना चाहिए, यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो दिल की सेहत का ख्याल रखता है। यह बीपी को नियंत्रित करता है, रक्त वाहिकाओं की सेहत बनाए रखता है। विटामिन सी सूजन को कम करता है।





पीसीओएस की समस्या को नेचुरली करना है मैनेज तो फॉलो करें इंटरमिटेंट फास्टिंग

अगर आप पीसीओएस की शिकायत से जूझ रहे हैं तो ऐसे में आपको इंटरमिटेंट फास्टिंग का ऑप्शन चुनना चाहिए। इससे आपको यकीनन फायदा होगा।

आज के समय में अधिकतर महिलाएं पीसीओएस की समस्या से जूझ रही हैं। पीसीओएस की समस्या होने पर ना केवल आपको अधिक वजन के कारण परेशान होना पड़ता है, बल्कि इसके साथ-साथ आपको मूड स्विंग से लेकर अनियमित पीरियड्स जैसी कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि आप पीसीओएस को मैनेज करें और इसका सबसे पहला व बेसिक स्टेप है अपने लाइफस्टाइल को बदलना।

अगर आप भी पिछले काफी समय से पीसीओएस को मैनेज करने की जद्दोजहद में जुटी हैं तो ऐसे में इंटरमिटेंट फास्टिंग करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। अक्सर पीसीओएस को मैनेज करने के लिए हम सभी वजन कम करना चाहती हैं और इसके लिए अपने खाने को प्रतिबंधित करती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग आपके खाने की टाइमिंग पर अधिक फोकस करती है। जिससे इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होने से लेकर हार्मोन बैलेंस करने और वजन घटाने में भी मदद मिलती है। जिससे आपको पीसीओएस में काफी फायदा मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि पीसीओएस की समस्या होने पर इंटरमिटेंट फास्टिंग किस तरह फायदा पहुंचा सकती है-

इंसुलिन सेंसेटिविटी होती है बेहतर

जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग को फॉलो करती हैं तो इससे आपकी इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होती है। जिससे आपको पीसीओएस में लाभ होता है। दरअसल, पीसीओएस वाली अधिकतर महिलाओं में इंसुलिन का स्तर अधिक होता है। ऐसे में उनके शरीर के लिए ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। इससे ना केवल वजन तेजी से बढ़ता है, बल्कि हार्मोनल असंतुलन की शिकायत भी होती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए जब आप अपने खाने की टाइमिंग को सेट करती हैं तो इससे इंसुलिन लेवल को बेहतर बनाने में भी मदद मिलती है।

हार्मोन होते हैं बैलेंस

पीसीओएस की समस्या होने पर हार्मोन असंतुलित होने लगते हैं। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो इससे हार्मोन बैलेंस करने में मदद मिलती है। दरअसल, इंटरमिटेंट फास्टिंग फॉलो करने से आपका वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है, जिससे आपके हार्मोन बैलेंस होने लगते हैं। इसके अलावा, इंटरमिटेंट फास्टिंग से आपके शरीर में ऐसे परिवर्तन होते हैं जो इंसुलिन और एण्ड्रोजन के स्तर को कम करते हैं। यह बालों के विकास या मुंहासे जैसे पीसीओएस लक्षणों को कम कर सकता है।

मेटाबॉलिज्म होता है बूस्ट

अक्सर वजन कम करने के लिए लोग क्रैश डाइट फॉलो करते हैं, लेकिन यह आपको काफी सुस्त महसूस करवाती है। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो फास्टिंग पीरियड के दौरान आपका शरीर में पहले से ही स्टोर फैट को एनर्जी में बदलता है। इससे ना केवल आपका वजन कम होता है, बल्कि मेटाबॉलिज्म भी बूस्टअप होता है। अतिरिक्त भूख होती है नियंत्रित पीसीओएस में आपके भूख से जुड़े हार्मोन ग्रेलिन और लेप्टिन का तालमेल बिगड़ सकता है, जिससे आपको अत्यधिक खाने की इच्छा हो सकती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग इन भूख हार्मोन को रीसेट करने में मदद कर सकती है, जिससे यह पहचानना आसान हो जाता है कि आपको वास्तव में कब भूख लगी है और कब आपको बस यूं ही क्रेविंग्स हो रही है। इससे जब आप अपनी अतिरिक्त भूख को नियंत्रित कर पाते हैं तो इससे आपकी ओवर ऑल हेल्थ सुधरती है।





शरीर में पोटेशियम का स्तर कम हो जाए तो क्या होगा?

पोटेशियम एक बहुत ही महत्वपूर्ण खनिज है जो हमारे शरीर को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है यह एक इलेक्ट्रोलाइट्स है जो शरीर को रिचार्ज करता है। सेल्स तंत्रिकाओं और मांसपेशियों के ठीक से काम करने के लिए पोटेशियम बेहद जरूरी है।

शरीर में पोटेशियम का लेवल बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार खराब खानपान के चलते इसकी कमी हो जाती है, जिससे सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है आइए जानते हैं शरीर में पोटेशियम की कमी हो जाए तो क्या-क्या दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

- पोटेशियम शरीर में तरल पदार्थ के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। जब इसकी कमी होती है तो कोशिकाओं में असंतुलन हो सकता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव और अकड़न पैदा हो सकता है।
- पोटेशियम का स्तर कम होने से मानसिक स्थिति पर भी असर पड़ता है। इससे भ्रम, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी उलझन जैसी समस्याएं हो सकती है।
- इसकी कमी के कारण व्यक्ति थकान और कमजोरी महसूस कर सकता है। सांस लेने में भी परेशानी हो सकती है।
- पोटेशियम की कमी से व्यक्ति को त्वचा संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, हड्डियों पर भी इसका असर पड़ सकता है।
- पोटेशियम की कमी के चलते हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पैदा हो सकती है,जिससे दिल को नुकसान हो सकता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से दिल को अधिक काम करना पड़ता है। इसके चलते स्ट्रोक दिल का दौरा जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है। इससे दिल की धड़कन भी सामान्य हो सकती है।



एचएमपीवी से हो सकता है बचाव, पिएं यह सूप

एचएमपीवी वायरस से बचाव के लिए इम्यूनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी है। आप इस खास सूप को पीकर इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं।

सर्दियों में संक्रमण का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। वहीं इन दिनों एचएमपीवी जैसे वायरस का प्रकोप देखने को मिल रहा है। यह उन लोगों को अटैक करता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। खासतौर पर बच्चों बुजुर्ग या जिन लोगों को कोई बीमारी हो। ऐसे में सही खान-पान और पौष्टिक भोजन के जरिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। सूप एक बेहतरीन विकल्प है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकता है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आप मिक्सड वेज सूप का सेवन कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बढ़ाने की विधि और इसके फायदे।

मिक्सड वेज सूप बनाने की रेसिपी

1 कप गाजर, ½ कप शिमला मिर्च
1 कप मटर, 1 कप लौकी, आधा कप पालक
1 टमाटर कटा हुआ, 1 प्याज बारीक कटा हुआ
2 से 3 लहसुन की कलियां, 1 इंच अदरक
1 तेज पत्ता, 2-3 लौंग, एक चम्मच घी
काली मिर्च पाउडर ½ चम्मच, स्वादानुसार नमक
2 कप पानी

विधि

- सूप बनाने के लिए गाजर, शिमला मिर्च, मटर, लौकी, टमाटर और पालक को अच्छी तरह से धोकर उबाल लें।
- उबली हुई सब्जियों को ठंडा होने के लिए रख दें।
- उसके बाद इसे ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट तैयार कर लें।
- अब एक कड़ाही में घी गर्म करें।
- इसमें जीरा, कटा हुआ प्याज, लहसुन अदरक लौंग और तेज पत्ता डालकर भून लें।
- अब इसमें पिसी हुई सब्जियां डालें और अच्छी तरह से मिलाएं ।
- सूप को पतला करने के लिए इसमें पानी डालें और 8 से 10 मिनट तक पकने दें।
- स्वाद अनुसार नमक और काली मिर्च डालें।
- तैयार है आपका मिक्सड वेज सूप चाट मसाला डालें और गरमा-गरम सर्व करें।

मिक्सड वेज सूप के फायदे

- मिक्सड वेज सूप सभी तरह के विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है, जब इम्यूनिटी मजबूत होती है तो किसी भी तरह के इंफेक्शन को बढ़ने का खतरा काफी कम हो जाता है, आपका शरीर संक्रमण से लड़ता है।
- वहीं यह सूप पाचन को भी दुरुस्त रखता है। इसके अलावा यह शरीर को गर्माहट देता है।
- इसमें इस्तेमाल अदरक लहसुन और हल्दी जैसे मसाले में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरस गुण होते हैं जो संक्रमण को कम करते हैं। सूप शरीर को हाइड्रेट रखता है श्वसन तंत्र को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।



डेवोन भारत के खिलाफ वनडे मैचों से बाहर

चोटिल होने के कारण हुए बहार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को एक और झटका लगा है। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ट्रेनिंग के दौरान सिर में चोट लगने के कारण बाकी बचे चार मैचों से बाहर हो गए हैं। पहले से ही रचिन रविंद्र और मार्क चैपमैन जैसे दो अहम खिलाड़ियों के बिना खेल रही मेजबान टीम को अब सीरीज के पहले मैच में मिली हार से उबरने के लिए एक और समस्या का सामना करना पड़ेगा। मंगलवार को ईडन पार्क में फील्डिंग सेशन के दौरान मैट हेनरी से टकराने के कारण कॉनवे पहले वनडे में नहीं खेल पाए। उनकी जगह शीर्ष पर टिम सीफर्ट को मौका मिला और उन्होंने 38 रन बनाए, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर ऑल आउट हो गई। अर्शदीप सिंह ने चार विकेट और गुरनूर बराड़ ने तीन विकेट लिए, जिसके बाद ब्लेयर टिकनर के 34 रनों के योगदान से न्यूजीलैंड इस लक्ष्य तक पहुंच पाई। बारिश के कारण भारत की पारी बाधित हो गई और डीएलएस पद्धति के तहत लक्ष्य को 32 ओवरों में 143 रन कर दिया गया। रोहित शर्मा शून्य पर आउट हो गए, लेकिन विराट कोहली के 51 गेंदों पर 74 रन और शुभमन गिल के 37 रनों की बदौलत भारत ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। अंततः मेहमान टीम ने 22.4 ओवरों में 143 रन बनाकर पांच विकेट खो दिए और पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को पुष्टि की कि कॉनवे शेष मैचों में नहीं खेल पाएंगे। निक केली, जिन्हें मूल रूप से चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था, को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया गया है और वे वेलिंगटन में टीम से जुड़ेंगे। वहीं, ऑकलैंड एसेस के बल्लेबाज डेल फिलिप्स को भारत ए के खिलाफ अंतिम चार दिवसीय मैच के लिए न्यूजीलैंड ए टीम में शामिल किया गया है।

कॉनवे को चोट कैसे लगी?

यह घटना मंगलवार को ईडन पार्क में एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान घटी, जब कॉनवे और हेनरी एक ही कैच लेने की कोशिश में आपस में टकरा गए। दोनों खिलाड़ियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई और उनके सिर की चोटों का आकलन किया गया। कॉनवे को ऑकलैंड स्थित एक चिकित्सा केंद्र के आपातकालीन विभाग में ले जाया गया, जहां आगे की जांच में सिर में चोट की पुष्टि हुई। हेनरी को सिर में चोट नहीं आई है और वे दूसरे वनडे के लिए चयन हेतु उपलब्ध हैं। चोटों के कारण न्यूजीलैंड की टीम में खिलाड़ियों की कमी हो गई है। कॉनवे, रविंद्र और चैपमैन के साथ न्यूजीलैंड की चोटिल खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। रविंद्र कंधे की चोट से उबर रहे हैं, जबकि चैपमैन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। दोनों को सीरीज शुरू होने से पहले ही बाहर कर दिया गया था। हेनरी की उपलब्धता मेजबान टीम के लिए एक सकारात्मक बात है, हालांकि इस तेज गेंदबाज ने भारत के खिलाफ अंतिम तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि उनके दाहिने क्वाड्रिसेप्स में हल्की चोट थी। न्यूजीलैंड को अब सीरीज बराबर करने के लिए अपनी बल्लेबाजी संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा। दूसरा वनडे शनिवार, 7 नवंबर को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा।

प्रीमियर लीग में कोई भी मैच आसान नहीं होता: जाबी अलोंसो

नई दिल्ली,एजेंसी। चेल्सी के मैनेजर जाबी अलोंसो ने कहा है कि प्रीमियर लीग का कोई भी मैच आसान नहीं होता और टीमें एक पल के लिए भी फोकस नहीं खो सकतीं। चेल्सी ने 2026-27 प्रीमियर लीग सीजन की जबरदस्त शुरुआत की है। टीम नौ मैचों में 16 पॉइंट्स के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है। जियोस्टार द्वारा साझा एक इंटरव्यू में अलोंसो ने प्रीमियर लीग की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा, 'प्रीमियर लीग सच में एक बहुत मुश्किल कॉम्पिटिशन है। चेल्सी जॉइन करने से पहले मुझे इसके बारे में पता था, लेकिन एक बार जब आप इसका अनुभव करते हैं, तो आप सभी टीमों और सभी खिलाड़ियों का स्तर देखते हैं कि हर मैच कितना चुनौतीपूर्ण होता है। इस लीग में कोई भी मैच आसान नहीं होता। हर सप्ताह आपका एक अलग टेस्ट होता है, चाहे वह खिताब के लिए लड़ने वाली टीम हो या ऊपर बने रहने के लिए। इससे हम खुद से बहुत कुछ डिमांड करते हैं और हर गेम के लिए पूरे फोकस के साथ तैयारी करते हैं। आप एक पल के लिए भी स्विच ऑफ नहीं कर सकते, क्योंकि लीग में क्वालिटी आपको सजा देगी।' चेल्सी मैनेजर ने अपनी टीम की रक्षात्मक दिक्कतों को भी माना और जोर देकर कहा कि उनका रक्षात्मक रिकॉर्ड सुधारना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में खाए गए कई गोल निजी गलतियों की वजह से हुए हैं, न कि विरोधी टीमों के उनके रक्षात्मक संरचना को तोड़ने की वजह से। हमारे डिफेंस के बहुत सारे गोल खाने के पीछे सिर्फ एक वजह नहीं है, लेकिन यह पक्का है कि यह एक ऐसा एरिया है जिसमें हम बेहतर करने के लिए समर्पित हैं। मुझे लगता है कि हम करेंगे। हम उस प्रक्रिया में हैं और विकसित हो रहे हैं।



क्रिस लिन का एक महीने का निलंबन पूरा, बीबीएल में खेलने को तैयार



नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के टी20 विशेषज्ञ क्रिस लिन को कोकीन लेने के मामले में एक महीने का बैन झेलना पड़ा है। इंग्लैंड के क्रिकेट रेगुलेटर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। बैन की अवधि अब पूरी हो चुकी है। बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लिन का 18 जुलाई को इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान रूटीन एंटी-डोपिंग टेस्ट हुआ था। उस समय वह नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स की ओर से खेल रहे थे। टेस्ट में उनका सैंपल पॉजिटिव पाया गया था।

क्रिकेट रेगुलेटर ने बयान में कहा, 'क्रिकेट रेगुलेटर ने नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के पूर्व क्रिकेटर क्रिस लिन को एक महीने के लिए निलंबित किया गया है। निलंबन का समय अब पूरा हो गया है।' 36 साल के लिन का कोकीन के मेटाबोलाइट बेंजॉयलेगोनिन के कम लेवल के लिए टेस्ट पॉजिटिव आया था। उन्होंने आरोप स्वीकार कर लिया। जांच में यह माना गया कि यह कॉम्पिटिशन के बाहर इस्तेमाल का मामला था और इसका खेल के प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं था। इसी वजह से उनका बैन तीन महीने की जगह 1 महीने का था। लिन ने इसके साथ ही नशे की लत से जुड़ा रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम भी पूरा कर लिया है। दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टी20 और 4 वनडे मैच खेले हैं। वह बिग बैश लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं।

14 देशों के 56 विदेशी गोल्फर भारत में दिखाएंगे दम

- 12 नवंबर से होगा इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में गोल्फ के एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। हरियाणा के नूंह स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों समेत कुल 72 गोल्फर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने गुरुवार को प्रतियोगिता की ट्रॉफी का अनावरण किया। इसके साथ ही टूर्नामेंट की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

संभालेंगे मुंबई की कमान



सूर्यकुमार यादव की मैदान पर वापसी की तारीख तय

मुंबई, एजेंसी। भारतीय टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव जल्द ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वह आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 और विजय हजारे ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। इस तरह उनके पास घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी का दावा मजबूत करने का मौका होगा।

चयनकर्ताओं के फैसले पर सूर्यकुमार ने क्या कहा? – टी20 टीम से बाहर होने के फैसले पर सूर्यकुमार ने आकाश चोपड़ा के यूट्यूब चैनल पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, 'जब मैंने टीम में अपना नाम नहीं देखा तो मैं मुस्कुराया। जब भी मैं दबाव में होता हूं या चीजें मेरे पक्ष में नहीं होतीं, तो मैं मुस्कुराता हूं और खुद को शांत रखता हूं।'

रणजी ट्रॉफी में नहीं मिला था मौका

इससे पहले सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी 2026-27 का शुरुआती मुकाबला खेलने की इच्छा जताई थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में जगह नहीं दी। मुंबई के चयन समिति प्रमुख राजेश पवार ने कहा था, 'वह निश्चित रूप से बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं और मुंबई के लिए खुद को साबित कर चुके हैं। हम चाहते हैं कि वह कुछ रेड-बॉल मैच खेलकर लय हासिल करें। सूर्य ने पिछले 18 महीनों से कोई रेड-बॉल मैच नहीं खेला है।' सूर्यकुमार यादव को लेकर आईपीएल 2027 से पहले ट्रेड की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई इंडियंस ने उन्हें ट्रेड करने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। वह आगामी सीजन में भी मुंबई की नीली और सुनहरी जर्सी में खेलते नजर आएंगे। हालांकि, टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी उन्हें मिलने की संभावना नहीं है।

14 नवंबर को खेलेंगे पहला मुकाबला

सूर्यकुमार यादव की वापसी 14 नवंबर से होने वाली है। इस दिन मुंबई की टीम सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैदराबाद के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, राजेश पवार की अगुवाई वाली मुंबई की सीनियर चयन समिति ने सूर्यकुमार को कप्तानी सौंपने का फैसला किया है। टीम का ऐलान अगले कुछ दिनों में हो सकता है। सूर्यकुमार यादव को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को खिताब दिलाने के बावजूद टी20 इंटरनेशनल टीम की कप्तानी गंवानी पड़ी। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम चुने जाने के दौरान उन्हें कप्तानी से हटाया गया और बल्लेबाजी में लगातार गिरते प्रदर्शन के कारण टीम से भी बाहर कर दिया गया। अब घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन उनके लिए वापसी का रास्ता खोल सकता है।

विश्व कप तक 100 शतक पूरा करने के लिए कोहली के पास पर्याप्त मैच नहीं: अभिषेक नायर



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि विराट कोहली के पास 2027 वनडे विश्व कप से पहले 100 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा करने के लिए ज्यादा मैच नहीं बचे। अभिषेक नायर ने जियोस्टार से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वर्ल्ड कप तक उनके पास उस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए पर्याप्त मैच है। मैं चाहता हूं कि वह ऐसा करे, लेकिन आपको भी आगे बढ़ने के लिए काफी गेम खेलने होंगे। हो सकता है कि वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलना जारी रखे, लेकिन मैं वर्ल्ड कप तक के समय के बारे में सोच रहा हूं। वर्ल्ड कप के बाद, उनकी प्रेरणा शायद वैसी न रहे।' नायर ने सुझाव दिया कि टीम को हार्दिक पांड्या के साथ एक और विकल्प तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत को भविष्य के बारे में सोचना चाहिए, जहां हार्दिक पांड्या के साथ एक और ऑलराउंडर खेल सकता है। जब आप न्यूजीलैंड जाते हैं, तो हो सकता है कि आपके पास ऐसे दो ऑलराउंड विकल्प हों क्योंकि गौतम गंभीर को बल्लेबाज पसंद हैं। अगर आप एक और ऑलराउंडर तैयार करते हैं, तो वे एक साथ खेल सकते हैं। और अगर इंडिया दो अच्छे तेज गेंदबाज और दो सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर के साथ खेल सकता है, तो टीम का संतुलन बेहतर होता है और इसमें गहराई मिलती है। दूसरी बात यह है कि जब आप साउथ अफ्रीका जाते हैं, तो यह काम आएगा क्योंकि अब आपके पास बैटिंग के ज्यादा विकल्प हैं।' नायर ने कहा, 'यह मजेदार है क्योंकि उन सीरीज को देखना जहां आप ट्रॉफी जीतने के लिए फाइनल खेल रहे होते हैं, एक बहुत ही अलग एहसास होता है। यह आपको तैयार करता है और बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार करता है। जब आप तीन या चार देशों वाली ट्रॉफी के लिए खेलते हैं, तो आप स्टैंडिंग में ऊपर-नीचे हो सकते हैं और हर गेम मायने रखता है। इसलिए, मुझे लगता है कि ट्राई-नेशन या उससे अधिक देशों के टूर्नामेंट जैसा कुछ नहीं है।'



आमिर जंगू का शतक, वेस्टइंडीज की पहली पारी 356 रन पर सिमटी

सिलहट, एजेंसी। सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज की पहली पारी 356 रन पर सिमटी। वेस्टइंडीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने शतक लगाया। टीम को 356 रन तक पहुंचाने में आमिर जंगू का अहम योगदान रहा। पांचवें नंबर पर आए इस बल्लेबाज ने 212 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 133 रन की पारी खेली। आमिर ने केविन विकम के साथ चौथे विकेट के लिए 131 रन की अहम साझेदारी की। विकम ने 145 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 61 रन बनाए।

इसके अलावा, जस्टिन ग्रिव्स ने 51, जोशुआ बिशप ने 23, और जोमेल वर्रिकन ने नाबाद 27 रन बनाए। वेस्टइंडीज के आखिरी 2 विकेटों ने 55 रन जोड़े। बांग्लादेश की तरफ से हसन महमूद ने 24 ओवर में 90 रन देकर 6 विकेट लिए। तस्कीन अहमद ने 2 और मेहदी हसन मिराज ने 2 विकेट लिए। रिपोर्ट लिखे जाने तक बांग्लादेश ने 11 ओवर में 22 रन पर अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। तंजीद हसन 16 और नईम हसन 5 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान शांतो 1 और तोहिद हृदोय शून्य पर नाबाद हैं।

बांग्लादेश को दिन के शुरुआत में एक बड़ा झटका भी लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम को टखने में चोट के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा।

शादमान इस्लाम को फील्डिंग करते समय इंजरी हुई। उनका टखना मुड़ा गया। दर्द की वजह से वह तुरंत मैदान पर गिर पड़े और कई मिनट तक तड़पते रहे। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। शादमान को एमआरआई स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के 78वें ओवर में हुई जब आमिर जंगू ने मेहदी हसन मिराज की गेंद को फाइन लेग की तरफ धकेला।



शादमान ने स्लिप से गेंद का पीछा किया, लेकिन जब उन्होंने गेंद उठाने की कोशिश की, तो वह फिसल गए और गिरते समय उनका टखना मुड़ गया।

शादमान टेस्ट मैच के बारी हिस्से के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। अगर शादमान बाहर होते हैं, तो बांग्लादेश को बाकी मैच सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना होगा।

न्यूज डायरी

मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है धान की खरीद और उठान का कार्य

पंचकूला- जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अब तब जिला में 80715 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। वही 71952 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में जिला में दो सरकारी खरीद एजंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है।

उन्होने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 10145 मीट्रिक टन, बरवाला में 24430 मीट्रिक टन और रायपुरानी में 16197 मीट्रिक टन, एचएसआईआईडीसी अलीपुर में 6092 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी रायपुरानी में 3007 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। इसी प्रकार हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा बरवाला में 10747 मीट्रिक टन और रायपुरानी में 10097 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई।

उन्होंने बताया कि वहीं हेफेड द्वारा पंचकूला अनाजमंडी से 6565 मीट्रिक टन, बरवाला अनाज मंडी मे 21735 मीट्रिक टन, रायपुरानी अनाजमंडी से 15040 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी अलीपुर द्वारा 5930 मीट्रिक टन धान और एचएसआईआईडीसी रायपुरानी से 2909 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया। इसी दौरान हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा बरवाला से 10216 मीट्रिक टन और रायपुरानी से 9557 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया है।

15 नवंबर से जनता कर सकेगी शहीद स्मारक का दीदार, पहले एक महीने तक प्रतिदिन 500 लोगों को मिलेगा निशुल्क प्रवेश : अनिल विज

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि आजादी की पहली लडाई का शहीद स्मारक का उदघाटन देश के केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा 5 नंवबर, 2026 को कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी 15 नवंबर, 2026 से इस स्मारक को आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा और एक महीना तक यह स्मारक प्रतिदिन 500 लोगों को निःशुल्क दिखाया जाएगा।

श्री विज ने बताया कि इस स्मारक में आने के लिए आम जनता को प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक इसकी टिकटें बुक करानी होगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के आदेश से एक महीना स्मारक निःशुल्क दिखाया जाएगा और एक महीना तक प्रतिदिन केवल 500 लोगों को ही दिखाया जाएगा। उन्होंने बताया कि निःशुल्क देखने वालों को भी अपनी टिकट बुक करनी होगी। उसके लिए ambal-awarmemorial.com पर जाकर ऑनलाईन अपनी टिकट को बुक कर सकते हैं। इसके अलावा, मेमोरियल में भी टिकट देने की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि आजादी की पहली लडाई कांग्रेस के जन्म से 28 वर्ष पहले अंबाला छावनी में 10 मई, 1857 से शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि मेरठ से 9 घंटे यह लडाई शुरू थी और यह लडाई सशस्त्र हुई थी तथा ये लडाई सारे देश में लडी गई थी। लेकिन जिन शहीदों को पेडों से बांध-बांधकर गोलियां मार दी गई और जिन पर कोल्हू चलवाए गए गांव के गांव अंग्रेजों द्वारा जला दिए गए थे।

श्री विज ने बताया कि ऐसे उन हजारों शहीद, जिनको कभी इतिहास में जो स्थान मिलना चाहिए था, वो नहीं मिला। उन शहीदों को स्थान दिलाने के लिए अंबाला छावनी में शहीद स्मारक का निर्माण किया गया है जिसका उदघाटन हमारे देश के यशस्वी गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 5 नवंबर, 2026 को कर दिया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार फसल का एक-एक दाना खरीदने को प्रतिबद्ध - श्याम सिंह राणा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्री शुक्रवार को महेंद्रगढ़ जिले की नांगल चौधरी, नारनौल और अटेली अनाज मंडियों के दौरे के दौरान लोगों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों को 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देती है। अगर इससे कम भाव में फसल मंडी में बिकती है तो सरकार भावांतर भरपाई योजना से उसकी भरपाई करती है और किसानों का दाना-दाना सरकार खरीद रही है।

कृषि मंत्री ने खरीफ सीजन की फसल खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए मंडियों में फसल की आवक, खरीद, उठान और भुगतान की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने मौके पर मौजूद मार्केट कमेटी के अधिकारियों और कर्मचारियों से खरीद व्यवस्थाओं के बारे में पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने किसानों और आढ़तियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

श्री राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को मंडियों में किसी भी प्रकार की परेशानी नही होनी चाहिए।

इस अवसर पर एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह, एसडीएम नारनौल गुरविंदर सिंह, नगर परिषद चेयरमैन कमलेश सैनी, मार्केट कमेटी चेयरमैन रमाशंकर शर्मा के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धनतेरस पर लाडवा विधानसभा के 63 गांवों को 13.23 करोड़ रुपए की दी सौगात

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लाडवा उनके लिए केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि उनका अपना घर और परिवार है। लाडवा के लोगों ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे उन्होंने हमेशा अपना सौभाग्य माना है। क्षेत्रवासियों का आशीर्वाद उनकी ताकत है और लाडवा की तरक्की उनकी जिम्मेदारी है। उनका संकल्प है कि लाडवा के विकास की रफ्तार कभी थमने नहीं देंगे।



मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को लाडवा में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में क्षेत्रवासियों को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी भी उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दीपोत्सव का पर्व हमें पांच अलग-अलग संदेश देता है। धनतेरस आरोग्य और धन-धान्य का प्रतीक है, दीपावली अंधकार पर प्रकाश और निराशा पर आशा की विजय का पर्व है, गोवर्धन पूजा प्रकृति, पशुधन और अन्नदाता के प्रति कृतज्ञता का संदेश देती है, जबकि भाई दूज रिश्तों में मिठास और प्रेम बढ़ाने का पर्व है। उन्होंने कहा कि त्योहारों की असली खुशियां तभी सार्थक होती हैं, जब समाज के हर वर्ग के चेहरे पर मुस्कान हो और हर परिवार में खुशहाली आए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धनतेरस के पावन अवसर पर प्रदेश के लाखों परिवारों को बड़ी सौगात देते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाखों लाभार्थियों और पंचायती राज संस्थाओं व नगरपालिकाओं के बैंक खातों में सीधे 4,470 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्री कृष्ण गौशाला समिति लाडवा को लगभग 7.34 लाख, अखंड गौशाला मथाना को लगभग 7.63 लाख रुपए और मथाना गोवंश धाम एवं अनुसंधान संस्थान लगभग 19.56 लाख रुपए का चेक वितरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडवा के लोगों ने हमेशा प्रेम, भाईचारे और अपने पन की भावना से एक-दूसरे का साथ दिया है।

धनतेरस पर हरियाणा के लाखों लाभार्थियों को सौगात, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक क्लिक से लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की 4,470 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि

जगदीश, हिन्द जनपथ



चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने धनतेरस के पावन अवसर पर प्रदेश के लाखों परिवारों को बड़ी सौगात देते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाखों लाभार्थियों और पंचायती राज संस्थाओं व नगरपालिकाओं के बैंक खातों में सीधे 4,470 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना की 13वीं किस्त जारी की है। इस योजना के तहत 10 लाख 59 हजार लाभार्थी बहन-बेटियों के खातों में 222 करोड़ 52 लाख रुपये की राशि डाली गई है। इसे मिलाकर अब तक 13 किस्तों में 2 हजार 689 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि इस योजना का दूसरा चरण गत 17 सितंबर से शुरु हो चुका है। सरकार ने इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए वार्षिक आय सीमा को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 लाख 80 हजार रुपये कर दिया है। आज जारी की गई राशि में ऐसी 49 हजार 290 पात्र बहन-बेटियां शामिल हैं।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने विभिन्न 15 सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 1 हजार 135 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि सीधे 35 लाख 26 हजार 358 लाभार्थियों के बैंक खातों में डाली। इनमें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांग भत्ता और अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए 'प्रो-एक्टिव मॉडल' को अपनाया है। इसके तहत परिवार पहचान पत्र डेटाबेस के आधार पर पात्रता स्वयं निर्धारित होती है और पात्र नागरिकों को बिना दफ्तरों के चक्कर काटे, बिना आवेदन किए घर बैठे ही भत्ते का लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने 'हर घर-हर गृहिणी' योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिल करवाने वाली 6 लाख 5 हजार बहनों के बैंक खातों में सितम्बर माह की 24 करोड़ 25 लाख रुपये की सब्सिडी भी जारी की। इस योजना में पात्र महिलाओं को हर महीने 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। आज जारी की गई राशि को मिलाकर, अब तक 14 लाख 66 हजार पात्र बहनों के बैंक खातों में कुल 404 करोड़ 46 लाख रुपये की राशि डाली जा चुकी है।

मधुमक्खी पालकों को बड़ी सौगात, मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल हुआ मधुमक्खी पालन; प्रति कॉलोनी व बॉक्स मिलेगा 1,250 रुपये का बीमा कवर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और उन्हें प्राकृतिक आपदाओं एवं विभिन्न जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। डबल इंजन सरकार बीज से लेकर बाजार तक हर कदम पर किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। इसी दिशा में मधुमक्खी पालकों को बड़ी राहत देते हुए मधुमक्खी पालन को मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल किया गया है।



मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अब मधुमक्खी पालकों को प्रति कॉलोनी और प्रति बॉक्स मात्र 50 रुपये प्रीमियम देना होगा, जिसके एवज में उन्हें प्रति कॉलोनी व बॉक्स 1,250 रुपये का बीमा कवर मिलेगा। इस योजना के तहत मधुमक्खी पालक अधिकतम 6 लाख 25 हजार रुपये तक का बीमा क्लेम प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करने और शहद उत्पादकों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से 16 अगस्त, 2025 को कुरुक्षेत्र में शहद को भावांतर भरपाई योजना में शामिल करने की घोषणा की गई थी, जिसे 27 सितंबर, 2025 को लागू कर दिया गया। इस योजना के तहत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि अपने बजट अभिभाषण 2026-27 में 7 मार्च, 2026 को मधुमक्खी पालन को मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल करने की घोषणा की थी। अब इस घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए मधुमक्खी पालन को योजना के दायरे में लाया गया है। इससे मधुमक्खी पालकों को प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य जोखिमों से होने वाले संभावित नुकसान के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और प्रदेश में मधुमक्खी पालन को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में बढ़ावा मिलेगा।

नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्ध : आरती सिंह राव

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि प्रदेश में नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) विभाग को नकली दवा बेचने तथा बनाने वालों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर की गई कार्रवाई के दौरान 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 की अवधि के दौरान ड्रग विंग द्वारा गहन निरीक्षण अभियान चलाया गया, जिसके तहत कुल 13,590 बिक्री इकाइयों तथा 423 निर्माण इकाइयों की जांच की गई। नियमों में ढिलाई और अनियमितताएं पाए जाने पर सख्त कदम उठाते हुए 966 ड्रग सेल लाइसेंस, 12 मैन्युफैक्चरिंग/ब्लड सेंटर लाइसेंस निलंबित किए गए, जबकि 15 लाइसेंसों को पूरी तरह रद्द और 5 को आंशिक रूप से रद्द किया गया।

उन्होंने बताया कि गुणवत्ता नियंत्रण को मजबूत करने के लिए इस अवधि में 2,389 सैंपल एकत्र किए गए, जिनमें से 2,189 सैंपल की जांच पूरी हो चुकी है और इनमें 11 सब-स्टैंडर्ड पाए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसते हुए 64 मामलों में अभियोजन दर्ज कराया गया, जबकि अदालत में विचाराधीन 15 मामलों का निपटारा हुआ, जिनमें 8 में सजा और 7 में बरी का फैसला आया। फिलहाल 462 मामले अदालत में लंबित हैं। इसके अतिरिक्त, पुलिस और एफडीए अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई के तहत 376 संयुक्त छापेमारी) की गई, जिसमें एनडीपीएस अधिनियम (NDPS Act) के तहत 2 और एमटीपी अधिनियम (MTP Act) के तहत 4 प्राथमिकी (FIR) दर्ज की गईं।

प्रवक्ता ने यह भी बताया कि एफडीए की टीम ने अप्रैल 2026 में लगभग 70 लाख रुपये मूल्य के नकली वजन घटाने और मधुमेह नियंत्रण के टीकों (नकली 'मौनजारो' इंजेक्शन) को जब्त किया गया। वहीं जुलाई 2026 में एफडीए गुरुग्राम की टीम ने बीपी की नकली दवा 'टेल्मा-एएम' बनाने और बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया।

हरियाणा में प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए समन्वित कार्ययोजना जल्द

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार प्रदेश में जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने को लेकर खासी संजीदा है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने अधिकारियों को प्राकृतिक खेती के लिए उपयुक्त कम से कम पांच फसलों की पहचान कर उनके उत्पादन, प्रोत्साहन एवं विपणन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस पहल के तहत हल्दी, लाल मिर्च और अदरक जैसी फसलों की संभावनाओं पर भी विचार किया जा सकता है।

श्री रस्तोगी प्रदेश में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा इसके तहत उत्पादित कृषि उपज के प्रमाणन, खरीद और विपणन के लिए समन्वित व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से आज यहां एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्ययोजना में उपयुक्त कृषि क्षेत्रों, उत्पादन लक्ष्य, किसानों की भागीदारी, प्रमाणन संबंधी आवश्यकताओं तथा विपणन व्यवस्था को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए।

बैठक में प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों को विश्वसनीय खरीद व्यवस्था और संगठित विपणन प्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, उनकी पहचान एवं पता लगाने की व्यवस्था विकसित करने और किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव श्री रस्तोगी ने कृषि और बागवानी विभागों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों तथा किसान समूहों का जिला और फसलवार प्रमाणित डाटा तैयार करने के निर्देश भी दिए। इस डाटा में खेती का क्षेत्रफल, प्रमाणन की स्थिति, अनुमानित उत्पादन और बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध संभावित उपज का विवरण शामिल होगा। इससे उपयुक्त फसलों और उत्पादन क्लस्टरों की पहचान करने में मदद मिलेगी। बैठक में हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन प्रसंघ (हैफेड) के प्रबंध निदेशक श्री चंद्रशेखर खरे ने किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने तथा प्रमाणित प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने के लिए प्रभावी विपणन चैनल विकसित करने में हैफेड की भूमिका पर प्रकाश डाला।

हरियाणा सरकार की हिदायत, आरटीआई की प्रथम अपीलों का हो तय समय में निपटारा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत दायर प्रथम अपीलों का निर्धारित समय में निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, प्रथम अपीलीय प्राधिकारियों को अपीलों पर स्पष्ट एवं तर्कसंगत कारणों सहित आदेश पारित करने की भी हिदायत दी है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार, प्रत्येक प्रथम अपील का निपटारा सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 19(6) के तहत निर्धारित समय-सीमा के भीतर करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, प्रथम अपील पर पारित हर आदेश में अपीलकर्ता द्वारा उठाए गए सभी प्रमुख बिंदुओं और आधारों पर विचार करते हुए स्पष्ट एवं तर्कसंगत कारण दर्ज किए जाएंगे। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि मांगी गई सूचना कानून के तहत प्रकट की जा सकती है, तो संबंधित राज्य जन सूचना अधिकारी (एसपीआईओ) बिना किसी अनावश्यक देरी के सूचना उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें।

गौरतलब है कि हरियाणा राज्य सूचना आयोग द्वारा प्रथम अपीलों के निपटारे में हो रही देरी तथा बिना पर्याप्त कारण बताए आदेश जारी किए जाने पर चिंता व्यक्त की गई गई है। आयोग ने इस संबंध में सभी संबंधित प्रशासनिक विभागों, विभागाध्यक्षों और प्राधिकरणों को आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया था।

एसआईआर पर झूठ फैलाकर संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को बदनाम कर रही कांग्रेस : मनसुख मांडविया

हिन्द जनपथ

पानीपत(ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी चुनावी हार स्वीकार करने के बजाय कभी ईवीएम तो कभी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाकर लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की एक नियमित और संवैधानिक प्रक्रिया है, लेकिन कांग्रेस इसे लेकर देशभर में झूठ और भ्रम फैलाने में जुटी हुई है।



पानीपत स्थित भाजपा कार्यालय श्यामा कमल में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' विषय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन रखना उसका अधिकार ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। वर्ष 1952 से मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया चलती आ रही है। देश में रोजगार, व्यवसाय और विवाह सहित विभिन्न कारणों से लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना सामान्य बात है। कई मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो जाते हैं, जबकि कुछ मतदाताओं की मृत्यु हो जाती है। ऐसे में मतदाता सूची का नियमित शुद्धिकरण आवश्यक है। कांग्रेस के 13 करोड़ वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने आंकड़ों का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि लगभग 6.3 करोड़ यानी 48.1 प्रतिशत मतदाता स्थायी रूप से अपना निवास स्थान बदल चुके थे, करीब 2.8 करोड़ यानी 21.4 प्रतिशत मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी थी और लगभग 1 करोड़ यानी 7.6 प्रतिशत नाम डुप्लीकेट थे। इसके अतिरिक्त करीब 3 करोड़ यानी 22.9 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित थे।

राहुल गांधी हरियाणा में कर लें डिबेट, हमारे युवा मोर्चा अध्यक्ष से पूछ लें सवाल, मैं जगह उपलब्ध करवाऊंगा - मुख्यमंत्री नायब सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी की ओर से डिबेट की चुनौती दिए जाने पर जवाब देते हुए कहा कि श्री राहुल गांधी हरियाणा में आकर डिबेट कर सकते हैं। इसके लिए प्रदेश में जगह उपलब्ध करवा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे युवा मोर्चा के अध्यक्ष वहां जाएंगे, और राहुल से सवाल करेंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि एक तरफ से केवल झूठ बोला जाए और फिर भागकर चले जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कांग्रेस को चुनाव प्रक्रिया को लेकर कोई परेशानी है तो उसे मुख्य चुनाव आयुक्त के सामने अपनी बात रखनी चाहिए। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और अदालतों के दरवाजे भी खुले हैं। कांग्रेस वहां जाकर अपनी बात क्यों नहीं रखती? केवल घर बैठकर और लोगों को दिखाने के लिए आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत जारी होने वाली राशि के हस्तांतरण करने के बाद हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सरकार की योजनाओं, किसानों की फसल खरीद और कांग्रेस के आरोपों सहित विभिन्न मुद्दों पर सवालों के जवाब दिए। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण बेदी, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास आज जनता के बीच जाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए वह वोट चोरी के नाम पर देश को गुमराह करने और लोकतंत्र तथा चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस को यदि कहीं किसी मतदाता का नाम कटने या गलत दर्ज होने की शिकायत है, तो चुनाव आयोग ने इसके लिए पूरी प्रक्रिया निर्धारित की है। मतदाता सूची सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराई गई है और एक महीने का समय भी दिया गया था कि कोई गलती होने पर निर्धारित फॉर्म भरकर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। इसके बावजूद कांग्रेस जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। देश की जनता सब देख रही है और अब वह इनके बहकावे में आने वाली नहीं है। वोट चोरी नहीं हुई, इनके जो कारनामे थे, ये उसी का परिणाम है। लोग तो अब ये कह रहे हैं कि कॉंग्रेस को तो पार्टी बंद कर देनी चाहिए।

एसएसएन मॉडल स्कूल में धूमधाम से मनाई गई दीपावली

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। एसएसएन मॉडल स्कूल में दीपावली का पर्व उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन प्रेम कौशिक ने लगभग 200 विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दीपावली के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी कथा सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को सत्य, अच्छाई और अच्छे संस्कारों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।



इस अवसर पर विद्यालय की प्रत्येक कक्षा में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने सुंदर दीपावली कार्ड बनाए, रंगोली सजाई तथा दीप सजावट और आकर्षक साज-सज्जा के माध्यम से अपनी कला एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। गतिविधियों के अंतर्गत प्रत्येक कक्षा से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया।

डीजीपी हरियाणा ने प्रदेशवासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का किया आह्वान

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल ने दीपावली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि प्रकाश का यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली लेकर आए।

दीपावली प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक

अपने शुभकामना संदेश में डीजीपी ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन एवं इको-फ्रेंडली दीपावली मनाने की अपील

डीजीपी ने प्रदेशवासियों से ग्रीन एवं इको-फ्रेंडली दीपावली मनाने की अपील करते हुए कहा कि त्योहार की खुशियां पर्यावरण और दूसरों की सेहत की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नागरिकों से मिट्टी के दीये जलाने, अनावश्यक पटाखों से बचने, ध्वनि एवं वायु प्रदूषण कम करने तथा स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति



हमारी छोटी-छोटी पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हरियाणा पुलिस पूरी तरह सतर्क

डीजीपी ने कहा कि दीपावली के दौरान प्रदेश में शांति, कानून व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, धार्मिक स्थलों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाएंगे, ताकि प्रत्येक नागरिक सुरक्षित वातावरण में त्योहार मना सके।

सुरक्षा मानकों का पालन करने और बच्चों का विशेष ध्यान रखने की अपील

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे पटाखों का प्रयोग करने से बचें और यदि पटाखों का उपयोग करें तो निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का पालन करें। विशेष रूप से बच्चों को पटाखे जलाते समय अकेला न छोड़ें तथा यातायात नियमों का पालन करें। उन्होंने लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का भी आग्रह किया।